

Mkd ithdj.k l[;kj/RNP/01/2023-25

RNI NO. UPHIN/2009/27689

राष्ट्रीय निष्पक्ष, निर्भीक हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

वर्ष : 18 अंक :281 (हिन्दी दैनिक) जौनपुर शनिवार 31 अक्टूबर, 2026 पृष्ठ– 08 मूल्य– 2.00 रुपया

उत्तर प्रदेश में सुधरी कानून व्यवस्था

महिला श्रम भागीदारी 36 फीसदी पहुंची: सीएम योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में बेहतर कानून-व्यवस्था की वजह से रात में भी बाजार सुरक्षित रूप से खुल रहे हैं। उन्होंने बताया कि 2017 में राज्य में महिला श्रम बल भागीदारी लगभग 13 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है। पूर्ववर्ती सरकारों की नीतियों पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि अपराध पर जीरो टालरेंस से व्यापार और महिला सुरक्षा दोनों मजबूत हुए हैं।



लखनऊ 30 अक्टूबर (एजेंसी) उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को राज्य की बेहतर कानून–व्यवस्था का हवाला देते हुए कहा कि प्रदेश में रात के समय जगमगाते बाजार और व्यावसायिक प्रतिष्ठान व्यापारियों के बढ़ते विश्वास के प्रतीक हैं। योगी ने दावा किया कि महिलाओं की सुरक्षा में सुधार के साथ उनकी आर्थिक भागीदारी भी बढ़ी है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक से पहले अपने आधिकारिक सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में योगी ने कहा कि रात्रिकालीन पाली में महिलाएं निर्भय होकर कार्यस्थलों पर अपनी जिम्मेदारियां निभा रही हैं।उनका आत्मविश्वास पूरे समाज की प्रगति का प्रतीक है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले अपराध और असुरक्षा के कारण सूर्यास्त के साथ ही व्यापारिक गतिविधियां सीमित होने लगती थीं और देर रात तक काम करने वाली महिलाओं की सुरक्षा को लेकर परिवार चिंतित रहते थे। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने अपराध और अपराधियों के प्रति कतई बर्दाश्त नहीं की नीति अपनाकर कानून–व्यवस्था मजबूत की और महिला सुरक्षा को प्राथमिकता दी।मुख्यमंत्री ने दावा किया कि वर्ष 2017 में प्रदेश में महिला श्रम बल भागीदारी लगभग 13 प्रतिशत थी, जो अब बढ़कर 36 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि आज बाजार रात में भी खुले रहते हैं, व्यापारियों को कारोबार विस्तार के अवसर मिल रहे हैं और महिलाएं सुरक्षित वातावरण में आगे बढ़ रही हैं। इसे उन्होंने महिलाओं के बढ़ते आत्मविश्वास, आर्थिक सामर्थ्य और स्वावलंबन के साथ सुरक्षा से समृद्धि की ओर बढ़ते नए उत्तर प्रदेश की पहचान बताया।भाजपा की उत्तर प्रदेश इकाई की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को यहां डॉ. राम मनोहर लोहिया विधि विश्वविद्यालय के सभागार में प्रस्तावित है। इसका उद्घाटन भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह करेंगे।

बनासकांठा में पीएम मोदी का रोडशो

गुजरात को मिलीं 14,000 करोड़ रुपये की योजनाएं

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात दौरे के दौरान बनासकांठा में 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत की। इन परियोजनाओं में मुख्य रूप से कृषि, बुनियादी ढांचा, डेयरी विकास और पशु अनुसंधान केंद्र शामिल हैं। इसके अलावा वह किसानों के लिए पीएम-किसान निधि जारी करेंगे और केवड़िया में आयोजित राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में हिस्सा लेंगे।



नई दिल्ली 30 अक्टूबर (एजेंसी) प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को बनासकांठा में एक रोडशो के साथ अपने दो दिवसीय गुजरात दौरे की शुरुआत की। यहाँ 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं की शुरुआत की गई या उन्हें आगे बढ़ाया गया। इन घोषणाओं में कृषि, परिवहन, ग्रामीण बुनियादी ढांचा, डेयरी विकास और बाल कल्याण जैसे क्षेत्र शामिल हैं, जिनमें से कई परियोजनाएं उत्तर गुजरात पर केंद्रित हैं। इसके बाद, 31 अक्टूबर को वे केवड़िया के एकता नगर पहुंचेंगे, जहां वे सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित श्राष्ट्रीय एकता दिवसश समारोह में शामिल होंगे। इस कार्यक्रम में श्भारत पर्व 2026श का उद्घाटन, आकर्षक रोशनी वाली सजावट और 400 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की शुरुआत शामिल होगी। बनासकांठा में डेयरी विकास और कृषि मुख्य केंद्र हैं। बनासकांठा कार्यक्रम का एक प्रमुख हिस्सा भिल्डी में स्थित श्भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटरश (ठठठत्र) है। 127 एकड़ में फैला यह केंद्र, पशु प्रजनन, आनुवंशिक सुधार और उन्नत प्रजनन तकनीकों के लिए एक श्सेंटर ऑफ एक्सीलेंसश (उत्कृष्टता केंद्र) के रूप में स्थापित किया गया है। यह देश का अपनी तरह का पहला केंद्र है जो कांकरेज नस्ल के मवेशियों को समर्पित है। इससे नस्ल सुधार की गति 10 से 20 गुना तक बढ़ने की उम्मीद है।डेयरी क्षेत्र में, बनास डेयरी द्वारा संचालित दो बायो–बछळ प्लांट भी विकसित किए जाएंगे। थराद और राधनपुर में स्थित इन संयंत्रों में क्रमशः प्रतिदिन 75 मीट्रिक टन और 100 मीट्रिक टन गोबर को प्रोसेस करने की क्षमता होगी।कृषि बुनियादी ढांचा भी एक मुख्य फोकस है। मोदी श्एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर फंडश (कृषि बुनियादी ढांचा कोष) के तहत पूरी हो चुकी 521 परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे, जिनकी कुल लागत लगभग 4,950 करोड़ रुपये है। इन सुविधाओं में गोदाम, साइलो, कोल्ड स्टोरेज यूनिट, कोल्ड चेन, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस और एकीकृत प्रसंस्करण केंद्र शामिल है। इस कार्यक्रम में सनादार में एक विस्तारित आलू प्रसंस्करण संयंत्र और पालनपुर मेंअल्ट्रा–हाई–टेम्परेचर उत्पादों के लिए एक श्ऑटोमेटेड स्टोरेज एंड रिट्रीवल सिस्टमश (स्वचालित भंडारण और पुनर्प्राप्ति प्रणाली) का उद्घाटन भी शामिल है। इसके अलावा, बागवानी के लिए स्वीकृत 12 क्लस्टरों में जमीनी स्तर पर काम शुरू होगा। लगभग 1.46 लाख हेक्टेयर में फैले इन क्लस्टरों से 1.3 लाख से अधिक किसानों को लाभ मिलने की उम्मीद है। इनमें से उत्तर गुजरात के दो क्लस्टर आलू उत्पादन पर केंद्रित होंगे। साथ ही, मोदी देश भर के किसानों को वित्तीय सहायता के रूप में च्ड–झैप्छ की 24वीं किस्त भी जारी करेंगे, जो 19,000 करोड़ रुपये की होगी।31 अक्टूबर को, प्रधानमंत्री मोदी एकता नगर स्थित श्स्टैच्यू ऑफ यूनिटीश जाएंगे। वहां वे सरदार वल्लभभाई पटेल को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे और उसके बाद श्राष्ट्रीय एकता दिवसश समारोह में शामिल होंगे। इस दौरे के दौरान श्भारत पर्व 2026श का भी उद्घाटन किया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा आदेश, अनंत सिंह को सरेंडर करने का निर्देश, फिर काटनी होगी जेल की सजा

नई दिल्ली 30 अक्टूबर (एजेंसी) । दुलारचंद यादव हत्याकांड में मोकामा के विधायक अनंत सिंह को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। शीर्ष अदालत ने पटना हाईकोर्ट की ओर से दी गई जमानत पर रोक लगाते हुए अनंत सिंह को 1 दिसंबर तक सरेंडर करने का निर्देश दिया है। उन्होंने अपनी बेटी की शादी का हवाला देते हुए तत्काल सरेंडर से राहत देने की मांग की थी, लेकिन अदालत ने उनकी याचिका स्वीकार नहीं की।

हत्या के मामले को राजनीतिक विवाद नहीं मान सकते

सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि हत्या जैसे गंभीर आपराधिक मामले को केवल राजनीतिक विवाद के तौर पर नहीं देखा जा सकता। अदालत ने कहा कि मामले की जांच अभी जारी है और मुकदमे की सुनवाई के दौरान गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। शीर्ष अदालत ने पुलिस को चार महीने के भीतर जांच पूरी करने का निर्देश भी दिया।सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद अनंत सिंह को निर्धारित समयसीमा के भीतर सरेंडर करना होगा।

मोदी जी 3 बार पीएम बने और चौथी बार भी बनेंगे,

लखनऊमें बोले शाह- गंगोत्री से गंगा सागर तक भगवा ही भगवा दिखाई देता है



लखनऊ में यूपी भाजपा कार्यसमिति की बैठक का उद्घाटन करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया कि नरेंद्र मोदी चौथी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर जुटने की सलाह दी और समाजवादी पार्टी पर अयोध्या गोलीकांड को लेकर निशाना साधा। इस बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे।

नई दिल्ली 30 अक्टूबर (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया है कि नरेंद्र मोदी लगातार तीन बार देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं और वे चौथी बार भी देश की कमान संभालेंगे। वे लखनऊ में आयोजित उत्तर प्रदेश बीजेपी की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक को संबोधित कर रहे थे। सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि आज देश की राजनीतिक स्थिति ऐसी है कि गंगोत्री से लेकर गंगा सागर तक हर ओर केवल भगवा ही दिखाई दे रहा है। इसके साथ ही उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि यदि वे अपने प्रदर्शन को और बेहतर बनाना चाहते हैं, तो उन्हें जमीनी स्तर पर उतरकर जनता के बीच काम करना होगा।केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लखनऊ में यूपी भाजपा की कार्यकारी समिति की बैठक का उद्घाटन करने पहुंचे। पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए, शाह ने उन्हें भाजपा का मालिक बताया और सम्मानपूर्वक श्राम–रामश कहकर उनका अभिवादन किया। उन्होंने उत्तर प्रदेश में पार्टी की चुनावी जीत का श्रेय कार्यकर्ताओं को दिया और 2017 तथा 2022 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन को याद किया। समाजवादी पार्टी पर प्रहार करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या गोलीकांड का स्मरण कराया। उन्होंने कहा कि मुलायम सिंह यादव के शासनकाल में कारसेवकों पर गोलीबारी हुई थी, जिससे सरयू नदी रक्त–रंजित हो गई थी। अखिलेश यादव को घेरते हुए उन्होंने प्रश्न किया कि वे किस आधार पर प्रदेश में सत्ता में वापसी का दावा कर रहे हैं।

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने भाजपा की प्रदेश कार्यसमिति की बैठक का उघ्दघाटन किया। शाह ने यहां डाक्ष्टर राम मनोहर लोहिया विधि विश्ष्वविद्यालय के सभागार में दीप प्रज्ज्ष्वलित कर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की शुरुआत की। भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य और पूर्व प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने को बताया कि मुख्य अतिथि अमित शाह ने दीप प्रज्ज्ष्वलित कर कार्यसमिति की बैठक का उदघ्घाटन किया। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्ष्यक्ष व केन्द्रीय वित्त्ा राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्ष्यक्षता में हो रही इस कार्यसमिति की बैठक में उप्र के मुख्ष्यमंत्री योगी आदित्ष्यनाथ, प मुख्ष्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य व ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख नेता मौजूद हैं। शाह ने श्ष्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्ष्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। इस दौरान वंदे मातरम और भारत माता की जय के नारे गूंज रहे थे। कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के प्रदेश प्रभारी व भाजपा के राष्ष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े, भाजपा की राष्ष्ट्रीय महासचिव स्ष्मृति ईरानी समेत कई प्रमुख नेता शामिल हैं। कार्यसमिति की बैठक का संचालन भाजपा के विधान परिषद सदस्य व पूर्व महामंत्री गोविंद नारायण शुक्ल कर रहे हैं। मुख्ष्यमंत्री योगी आदित्ष्यनाथ व भाजपा प्रदेश अध्ष्यक्ष पंकज चौधरी ने अमित शाह का स्ष्वागत किया।

पंजाब चुनाव के लिए आप पीएसी की बैठक, अरविन्द केजरीवाल के घर उम्मीदवारों पर हुआ मंथन



नई दिल्ली 30 अक्टूबर (एजेंसी) आम आदमी पार्टी की श्पॉलिटिकल अफेयर्स कमिटीश (च।ब) – जो पार्टी की सबसे बड़ी निर्णय लेने वाली संस्था है – ने आगामी पंजाब विधानसभा चुनावों के लिए उम्मीदवारों पर चर्चा करने के लिए 30 अक्टूबर को राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल के आवास पर एक उच्च–स्तरीय बैठक की। इस बैठक में अरविंद केजरीवाल, पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान, पंजाब में पार्टी के प्रभारी मनीष सिसोदिया, श्आपश नेता सत्येंद्र जैन और जैस्मीन शाह शामिल हुए। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल चीमा और राज्य श्आपश अध्यक्ष अमन अरोड़ा ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बैठक में हिस्सा लिया और अपने सुझाव दिए।ज्टे ल्कमवविचार–विमर्श के बाद, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने उम्मीदवारों को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आज विधानसभा उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई। मान ने आगे कहा कि कल, 31 अक्टूबर को च।ब की बैठक में इन नामों पर फिर से चर्चा होगी। उम्मीदवारों की पहली सूची कल जारी की जाएगी। 28 अक्टूबर को, भारत निर्वाचन आयोग (स्ब) के एक प्रतिनिधिमंडल ने 2027 के पंजाब विधानसभा चुनावों की तैयारियों का जिला–वार जायजा लिया।

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने एनसीएलटी और एनसीएलएटी को पूरी तरह आपहरण कर लिया है, सीजे सूर्यकांत,ने मोदी सरकार पर की बेहद कड़ी टिप्पणी

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जायमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ NCLT और NCLAT में काम करने वाले संविदा कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान पीठ ने स्पष्ट संकेत दिया कि इन दोनों संस्थाओं के अध्यक्षों को नियुक्तियों के मामले में पर्याप्त स्वायत्तता मिलनी चाहिए।



नई दिल्ली 30 अक्टूबर (एजेंसी) सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल और उसकी अपीलीय संस्था नेशनल कंपनी लॉ अपीलेट ट्रिब्यूनल) की स्वायत्तता को लेकर केंद्र सरकार के कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। गुरुवार को एक मामले की सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने मौखिक टिप्पणी करते हुए कहा कि कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय ने दोनों संस्थाओं को पूरी तरह हाईजैक कर लिया है। उन्होंने इसे संस्थागत स्वायत्तता के लिए गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि मंत्रालय का इन संस्थाओं पर पूरी पकड़ बनाए रखने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण है। अदालत की यह टिप्पणी केवल नियुक्तियों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसके केंद्र में न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की स्वतंत्रता, प्रशासनिक नियंत्रण तथा ट्रिब्यूनल की कार्यप्रणाली का व्यापक सवाल भी रहा। उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के पास ही कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय भी है।हम आपको बता दें कि मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ छब्स्ज और छब्स्।ज में काम करने वाले संविदा कर्मचारियों की याचिका पर सुनवाई कर रही थी। इसी दौरान पीठ ने स्पष्ट संकेत दिया कि इन दोनों संस्थाओं के अध्यक्षों को नियुक्तियों के मामले में पर्याप्त स्वायत्तता मिलनी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि नियुक्तियों का अधिकार संस्थाओं के अध्यक्षों के पास होना चाहिए और वे इसके लिए संघ लोक सेवा आयोग (न्ब्स्) अथवा कर्मचारी चयन आयोग (ै) की सहायता ले सकते हैं।सुनवाई के दौरान अदालत ने संविदा के आधार पर कर्मचारियों की नियुक्ति की व्यवस्था पर भी असहमति जताई। मुख्य न्यायाधीश ने अपने अनुभव का उल्लेख करते हुए कहा कि ठेकेदार न्यायिक और तकनीकी सदस्यों की जरूरतों तथा संस्थागत मर्यादाओं की परवाह नहीं करते। उन्होंने मुंबई में एक मामले का जिक्र किया, जहां संविदा कर्मचारियों द्वारा मूल रिपोर्ट ले जाने के बाद एफआईआर दर्ज करानी पड़ी थी। ब्श्र ने यह भी कहा कि कुछ संविदा कर्मचारी न्यायिक सदस्यों को परेशान कर रहे हैं। उन्होंने यहां तक टिप्पणी की कि पुराने संविदा कर्मचारियों के साथ–साथ निजी ठेका कंपनी की व्यवस्था भी समाप्त होनी चाहिए।दरअसल, इस विवाद की जड़ छब्स्ज में कर्मचारियों की नियुक्ति को निजी कंपनी के माध्यम से आउटसोर्स किए जाने के फैसले में है।

यूपी में 30 साल तक नहीं बनेगी समाजवादी की सरकार:अमितशाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने लखनऊ में भाजपा प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में अखिलेश यादव पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में अगले 30 वर्षों तक सपा सत्ता में नहीं आएगी और राज्य में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनने पर यूसीसी लागू किया जाएगा।



नई दिल्ली 30 अक्टूबर (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव को चुनौती देते हुए कहा कि उप्र में 30 साल तक सपा की सरकार नहीं बनेगी। उन्होंने यह भी भरोसा दिया कि अगर भाजपा तीसरी बार उप्र में सत्ता में आई तो यूसीसी लागू करेगी। शाह ने शुक्रवार को यहां डॉक्टर राम मनोहर लोहिया विधि विश्ष्वविद्यालय के सभागार में प्रदेश कार्यसमिति की बैठक की शुरुआत करने के बाद अपने संबोधन में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया।भाजपा सूत्रों के अनुसार अमित शाह ने 30 अक्टूबर 1990 में अयोध्या में कारसेवकों पर गोली चलने की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि उप्र में 30 अक्टूबर का बड़ा योगदान है। इसी दिन 1990 में अयोध्या में राम भक्तों पर गोलियां चलवाकर सरकार ने सरयू नदी को खून से लाल कर दिया था। उन्होंने सपा प्रमुख से सवाल करते हुए कहा कि मैं आपसे पूछना चाहता हूं कि आप किस मुंह से सरकार बनाने की बात करते हैं।आपने (सपा सरकार) राम भक्तों पर गोलियां चलाई और हमने (भाजपा) राम मंदिर बना दिया। उन्होंने आगे कहा , अखिलेश बाबू आप नोट कर लीजिए कि उप्र में 30 साल तक आपकी सरकार नहीं बनेगी। आपकी तीसरी पीढ़ी को भी जनता माफ नहीं करेगी।शाह ने कहा कि कल्याण सिंह ने सरकार की चिंता किए बिना विवादित ढांचे को ध्वस्त कराया। उन्होंने यह भी कहा कि उप्र में भाजपा सरकार आंद का पैर है और उसे कोई नहीं हटा सकता है फिर से भाजपा की सरकार बनने जा रही है कोई दुविधा नहीं है। उन्होंने विपक्षी दलों को चुनौती देते हुए कहा, मैच हारने के बाद अंपायर पर आरोप लगा है कि वोट चोरी हुई।भाजपा संसद में चर्चा के लिए तैयार है एक बार आइए विशेष सत्र बुलाते है हम एक–एक बात का जवाब देने को तैयार है संसद में चर्चा कीजिए। इसके पहले, भाजपा प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य और पूर्व प्रदेश प्रवक्ता हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव ने पीटीआई–भाषा को बताया कि प्रदेश अध्यक्ष व केन्द्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की अध्यक्षता में हो रही कार्यसमिति की इस बैठक में उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, भाजपा की राष्ट्रीय महासचिव स्मृति ईरानी ,भाजपा के प्रदेश प्रभारी और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े और ब्रजेश पाठक समेत कई प्रमुख नेताओं ने भाग लिया।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

प्रदेश

जौनपुर,शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

धूमधाम से हरिद्वार में आयोजित होगा भगवान चित्रगुप्त कथा महोत्सव



देहरादून रू विगत वर्षो की भांति इस वर्ष भी देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में भगवान श्री चित्रगुप्त जी के कथा का आयोजन किया जा रहा है स भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा के साथ मां गंगा की आरती भी गंगा तट पर की जाएगी स अखिल भारतीय कायस्थ महासभा उत्तराखंड के प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव ने बताया कि हिंदुस्तान में पहली बार अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की उत्तराखंड टीम के द्वारा ऋषिकेश से भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा प्रारंभ की गई थी जो की निरंतर जारी हैं स यह कथा चित्रगुप्त पीठ के पीठाधीश्वर स्वामी सच्चिदानंद जी महाराज द्वारा लगातार की जा रही है स इस पावन पर्व पर पूरे हिंदुस्तान से लोग मौजूद होते हैं यह कथा हरिद्वार के भूपत वाला स्थित चित्रकूट आश्रम के ठीक सामने जो घाट है वहां पर किया जाएगा स कार्यक्रम 01 नवंबर को 3रू00 बजे से शुरू होगा सबसे पहले भजन के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की जाएगी उसके बाद 5रू00 बजे से गंगा तट पर ही मां गंगा की आरती की जाएगी, तत्पश्चात शाय 7रू00 बजे से चित्रकूट आश्रम में भगवान श्री चित्रगुप्त जी की कथा प्रारंभ होगी जो की लगभग 10रू00 बजे तक चलेगी स उसके बाद भव्य भंडारे का भी आयोजन चित्रकूट घाट पर किया जायेगा स द्वितीय दिवस यानी 02 नवंबर को सुबह 10 बजे से 1रू00 तक अखिल भारतीय कायस्थ महासभा की राष्ट्रीय कार्य समिति की बैठक राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुबोध कांत सहाय जी के नेतृत्व में आयोजित होगी जिसमें मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ पूरी राष्ट्रीय कार्यकारिणी मौजूद रहेगी स इस महोत्सव में 01 नवम्बर को चित्रकूट आश्रम में हेल्थ स्वास्थ्य शिविर भी लगाया जा रहा हैं जिसमे लोगों के स्वास्थ्य परीक्षण के साथ खून परीक्षण भी किया जाएगा और इस दौरान वहां पर दवा का विवरण किया जाएगा स इस अवसर पर संरक्षक अतुल श्रीवास्तव जी राजनीतिक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष रवि शरण जी शिक्षा संस्कृति प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पीयूष निगम जी महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष अनीता सक्सेना जी प्रदेश संगठन मंत्री सुशील सक्सेना जी प्रदेश कोषाध्यक्ष नितेश सक्सेना जी सुमित रावत जी अग्रवाल जी शुभम कोटनाला जी और सचिन सिंह भी मौजूद रहे स भवदीय सुशील सक्सेना प्रदेश संगठन मंत्री अखिल भारतीय गायक महासभा मोबाइल नंबर रू9170605380003

पीएम0 किसान योजना पहली पेंशन स्कीम है -जिलाधिकारी

–संजय त्रिपाठी ब्यूरो आगरा मण्डल–

फिरोजाबाद.पी0एम0 किसान उत्सव का आयोजन जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में भव्यता पूर्ण तरीके से किया गया। योजना की 24 वी0 किस्त बनासकांठा गुजरात से देश के सभी कृषकों के बैंक खातों में डी0बी0टी0 के माध्यम से भेजी गयी। जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने सभी कृषकों को बधाई देते हुये कहा कि फिरोजाबाद के 233651 किसानों के खाते में 467302000.00 रू0 की धनराशि भेजी गयी है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिये जरूरी सभी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। किसान समाधान दिवस का आयोजन प्रत्येक माह के तृतीय बुधवार को किया जाता है जिसमें किसान अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने किसानों से अपील की कि सभी कृषि भूमि धारक किसान फार्मर रजिस्ट्री अवश्य करायें जिससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण उर्वरक, बीज, फसल बीमा, किसान क्रेडिट कार्ड, खाद्यान्न खरीद आदि योजनाओं का लाभ निर्बाध रूप से प्राप्त हो सके। उन्होंने बताया कि जनकल्याण के लिये जनगणना अभियान 16 नवम्बर से 30 नवम्बर तक चलाया जायेगा जिसमें सभी लोगों को अपनी गणना स्वगणना स्वयं करनी है। उन्होंने आगे कहा कि व्यस्क मताधिकार सुनिश्चित करने के लिये 12 नवम्बर से विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान चलाया जायेगा जिसमें समस्त छूटे हुये मतदाताओं एवं जनवरी 2027 में 18 वर्ष की आयू पूर्ण होने वाले व्यस्कों के नाम फार्म 6 के माध्यम से जोड़े जायेंगे।



ब्लाक प्रमुख फिरोजाबाद लक्ष्मी नारायन यादव जी ने इस अवसर पर कहा कि किसानों के लिये पी0एम0 किसान योजना पहली पेंशन स्कीम है जिसमें पूरा पैसा किसानों को उनके खाते में प्राप्त होता है। उन्होंने सभी किसानों को बधाई दी।

उप कृषि निदेशक सत्येन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि पी0एम0 किसान योजना की हेल्पडैस्क कृषि भवन में स्थापित है इसके साथ ही कृषि विभाग के ग्राम पंचायत स्तर पर तैनात कर्मचारियों के द्वारा किसानों की समस्याओं का समाधान किया जा रहा है उन्होंने किसानों से पराली न जलाने, जल संरक्षण विधियॉ जैसे ड्रिप स्प्रिंकलर को अपनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि कृषि विभाग सभी बीज गोदामों में गेहूँ सरसों एवं मसूर आदि का बीज अनुदान पर उपलब्ध है जिसका लाभ कृषक बुकिंग कराकर उठा सकते हैं। इस अवसर पर परियोजना निदेशक डी0आर0डी0ए0 सुभाष चन्द्र त्रिपाठी, प्रभारी सहायक निदेशक मत्स्य गौरव सिन्हा, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी दीपक त्यागी, अध्यक्ष मृदा परीक्षण प्रयोगशाला जाविद अली, अवर अभियन्ता दलवीर सिंह, बरिष्ठ प्राविधिक सहायक ग्रुप–बी0 रमन देव शर्मा, राजेश यादव, प्रेमकिशोर, शैलेन्द्र कुमार, मनोज यादव, नागेन्द्र यादव आदि मौके पर उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी द्वारा किसानों को निःशुल्क सरसों के बीज मिनीकिट का वितरण मनमोहन सिंह, विष्णू दत्त शर्मा, अरविन्द कुमार, चरन सिंह, पुरूषोत्तम, प्रमोद कुमार, वीरेन्द्र सिंह, जयप्रकाश गौतम आदि को एवं सुरेन्द्र सिंह को कस्टम हायरिंग सेंटर की चाबी देकर कृषकों को सम्मानित किया गया। पी0एम0 किसान उत्सव का अयोजन कृषि विज्ञान केन्द्र, पी0एम0 किसान समृद्धि केन्द्र एवं ग्राम स्तर पर किया गया।

तीसरी बार भाजपा सरकार बनने पर यूपी में लागू होगा यूसीसीः अमित शाह



लखनऊ। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तर प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने पर यहां भी समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। शाह ने प्रदेश की जनता से भाजपा को फिर से सरकार बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि कई प्रदेशों में यूसीसी लागू हो चुका है और उत्तर प्रदेश में भी इसे लागू किया जाएगा।

अमित शाह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई देते हुए कहा कि प्रदेश की जनता ने कठोर शासन देकर उत्तर प्रदेश को माफियाओं से मुक्त किया है। उन्होंने भाजपा की राजनीतिक स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में पार्टी अंगद का पैर है, जिसे कोई हिला नहीं सकता।

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि सभी लोग कमर कस लें और अर्जुन की तरह मछली की आंख पर नजर रखें। लक्ष्य उत्तर प्रदेश में फिर से भाजपा की सरकार बनाना होना चाहिए।

अपने राजनीतिक सफर और पार्टी के पुराने चुनावी प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि वर्ष 2014 में भाजपा के केवल 44 विधायक थे और उस समय निराशा का माहौल था। उन्होंने बताया कि वह तहसील स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए गए। संगठन मजबूत होने के बाद वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 41 प्रतिशत वोट के साथ 73 सीटें जीतीं।शाह ने वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव का जिक्र करते हुए नोटबंदी का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि उस समय भाजपा ने करीब 40 प्रतिशत वोट हासिल कर 312 सीटों पर जीत दर्ज की थी।

राष्ट्रीय एकता के संदेश के साथ बांदा में निकली बाइक रैली

-युवाओं ने ली देश की अखंडता की रक्षा करने की शपथ



बांदा।आधुनिक भारत के निर्माता और देश के पहले गृह मंत्री लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 152वीं जयंती की पूर्व संध्या पर शुक्रवार, 30 अक्टूबर 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल सेवा संस्थान बांदा के तत्वावधान में एक भव्य राष्ट्रीय एकता बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य युवाओं और आम जनमानस में देश की एकता, अखंडता और राष्ट्रभक्ति की भावना को सुदृढ़ करना था।इस भव्य रैली को कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, पूर्व सांसद आर.के. सिंह पटेल जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर संस्थान के अध्यक्ष मुंगी प्रसाद पटेल, महामंत्री विजयराम पटेल, प्रवक्ता एडवोकेट राममिलन सिंह पटेल, कोषाध्यक्ष रोहित प्रसाद पटेल तथा पटेल उत्थान समिति बबेरू बांदा के अध्यक्ष महेंद्र कुमार पटेल की गरिमामयी उपस्थिति रही। बाइक रैली विभिन्न मार्गों से होते हुए श्सरदार वल्लभभाई पटेल ऑक्सीजन पार्क, बांदाश् पहुंचकर संपन्न हुई।कार्यक्रम के दौरान संस्थान के अध्यक्ष मुंगी प्रसाद पटेल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने देश को आजाद कराने से लेकर रियासतों का विलय कर देश को एक सूत्र में पिरोने का जो ऐतिहासिक कार्य किया है, उनके उन महान कृत्यों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का यह एक अनूठा सामूहिक प्रयास है। मुख्य अतिथि ने इस दौरान रैली में उपस्थित विशाल जनसमूह, विशेषकर युवाओं को देश की एकता और संप्रभुता की रक्षा करने की शपथ दिलाई। संस्थान के प्रवक्ता एडवोकेट राममिलन सिंह पटेल ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल दृढ़ इच्छाशक्ति, शक्तिशाली व्यक्तित्व तथा निर्भीक नेतृत्व से परिपूर्ण भारतीय इतिहास के सबसे अनुशासित और व्यावहारिक कर्मयोगी थे। उनका जीवन हमें एकता, अनुशासन और राष्ट्र के प्रति निस्वार्थ सेवा और समर्पण की प्रेरणा देता है।इस सद्भावना रैली का मुख्य आकर्षण श्सरदार रथश् पर सवार पूर्व ब्लॉक प्रमुख गया बाबा रहे। रैली में पूर्व प्रधान राम मूरत सिंह पटेल, रमेश मास्टर साहब, श्रीमती अर्चना पटेल, डॉ. कुलदीप पटेल, अरविंद पटेल मास्टर साहब, भैया लाल पटेल, द्वारिका पटेल एडवोकेट, सुरेश पटेल, प्रेम नारायण मास्टर साहब सहित सैकड़ों की संख्या में सरदार प्रेमी और उत्साही युवा उपस्थित रहे।

पुलिस चौकी सिविल लाइन्स को पूर्ण थाना बनाने की उठी मांग



–जिला अधिवक्ता संघ ने पुलिस अधीक्षक को सौंपा पत्र

बांदा।जिला अधिवक्ता संघ, बाँदा द्वारा शहर की बढ़ती आबादी और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है संघ के अध्यक्ष विमल कुमार सिंह वी.के. सिंह एडवोकेट और महासचिव राजेश कुमार त्रिपाठी सोनू एडवोकेट के नेतृत्व में पुलिस अधीक्षक, जनपद–बाँदा को एक अनुरोध पत्र सौंपा गया है, जिसमें पुलिस चौकी सिविल लाइन्स, बाँदा को एक नए थाने के रूप में उच्चीकृत करने की मांग की गई है।शहर के विस्तार और व्यस्तता के चलते थाने की जरूरतपत्र में अवगत कराया गया है कि विगत कुछ वर्षों में बाँदा शहर का विकास और शहरी क्षेत्र की आबादी में तेजी से इजाफा हुआ है। वर्तमान में शहरवासियों की शिकायतों के निस्तारण के लिए केवल एकमात्र स्थाना कोतवाली नगरश् ही है। थाना कोतवाली नगर शहर के अत्यंत व्यस्तम इलाके में स्थित है, जिसके कारण आपात स्थिति में पुलिस का घटनास्थल पर त्वरित गति से पहुँचना कठिन हो जाता है।प्रमुख कार्यालयों और घनी आबादी वाला क्षेत्र है सिविल लाइन्स अधिवक्ता संघ ने तर्क दिया है कि शहर के सभी प्रमुख संवैधानिक एवं सरकारी संस्थानकृजैसे कि जनपद न्यायालय, आयुक्त कार्यालय, जिलाधिकारी कार्यालय, आयकर कार्यालय और कचहरीकृतथा कई बड़ी आवासीय कॉलोनियां जैसे आवास विकास, इन्दिरा नगर, तुलसी नगर और सिविल लाइन्स क्षेत्र।इन सभी महत्वपूर्ण सरकारी संस्थानों और आसपास के क्षेत्र में रहने वाले नागरिकों की सुरक्षा व बेहतर कानून–व्यवस्था के लिए सिविल लाइन्स एरिया में स्वतंत्र थाना होना न्यायहित में बेहद आवश्यक है। कानून और न्याय व्यवस्था होगी और अधिक सुदृढ़संघ का कहना है कि सिविल लाइन्स क्षेत्र में थाना बन जाने से क्षेत्र की पुलिसिंग व्यवस्था और अधिक चुस्त–दुरुस्त हो जाएगी तथा कानून एवं न्याय व्यवस्था को और अधिक मजबूती मिलेगी। जिला अधिवक्ता संघ ने पुलिस अधीक्षक से इस गंभीर मामले में जनहित और न्यायहित में पहल करते हुए सिविल लाइन्स चौकी को थाने में उच्चीकृत करने हेतु आवश्यक आदेश देने का आग्रह किया है।

भारत और श्रीलंका के पत्रकारों के बीच सहयोग पर बल

लखनऊ । सीमा पार मीडिया संबंधों को मजबूत करने और सहयोगात्मक पत्रकारिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से श्इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट्सश द्वारा आज लखनऊ स्थित श्यूपी प्रेस क्लबश में श्श्रीलंका एंड इंडिया जर्नलिस्ट्स फेलोशिप एंड कोऑपरेशनष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। श्यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियनश की मेजबानी में आयोजित यह सम्मेलन क्षेत्रीय मीडिया एकजुटता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जिसमें दोनों देशों के प्रमुख यूनियन नेताओं, प्रतिनिधियों और अंतरराष्ट्रीय अतिथियों ने हिस्सा लिया।



ह्यस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण सुभाषनि डी सिल्वा की विशेष उपस्थिति रही, जो आईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोपाल मिश्रा और महासचिव के. विश्वदेव राव के निमंत्रण पर यूपी प्रेस क्लब पहुंची थीं। यूपीडब्ल्यूजेयू के पदाधिकारियों ने मेजबान की भूमिका निभाते हुए स्थानीय और आमंत्रित प्रतिनिधियों के बीच सार्थक संवाद को सुगम बनाया। घ्कार्यक्रम को अंतरराष्ट्रीय आयाम देते हुए श्एशियन मीडिया एंड कल्चर एसोसिएशनश के अध्यक्ष पेथुम पेसक्वेल और महासचिव श्री निशांत अल्विस ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थित पत्रकारों और यूपीडब्लूजेयू सदस्यों को संबोधित किया। अपने वर्चुअल संबोधन में उन्होंने दक्षिण एशियाई देशों के बीच संयुक्त पत्रकारिता प्रयासों, सांस्कृतिक समझ और मीडिया संस्थानों के बीच सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया।ह्यस सम्मेलन का नेतृत्व दोनों संगठनों के प्रमुख पदाधिकारियों ने किया। आईएफडब्लूजे नेतृत्व का प्रतिनिधित्व अध्यक्ष गोपाल मिश्रा, उपाध्यक्ष प्रेम कांत तिवारी, महासचिव के. विश्वदेव राव और कोषाध्यक्ष रजत मिश्रा ने किया। वहीं यूपीडब्लूजेयू नेतृत्व और मेजबान टीम में अध्यक्ष हसीब सिद्दीकी, प्रदेश महासचिव देव राज सिंह,ख लखनऊ इकाई के अध्यक्ष शिव शरण सिंह , सचिव नितिन श्रीवास्तव शामिल रहे। ह्यस फेलोशिप का मुख्य उद्देश्य पेशेवर संबंधों को प्रगाढ़ करना, नैतिक पत्रकारिता के मानकों को बढ़ावा देना, प्रेस की स्वतंत्रता का समर्थन करना और पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना था। आईएफडब्लूजे जैसे राष्ट्रीय संगठन, यूपीडब्लूजेयू जैसी प्रांतीय इकाई और अंतरराष्ट्रीय मीडिया संघों को एक मंच पर लाकर इस सम्मेलन ने भारत और श्रीलंका के बीच निरंतर द्विपक्षीय आदान–प्रदान और संस्थागत सहयोग का एक मजबूत आधार तैयार किया है। इस मौके पर यूपी वर्किंग जर्नलिस्ट्स यूनियनश के पदाधिकारियों में क्रमशः भास्कर दुबे , शिव विजय सिंह, आशीष कुमार सिंह, अविनाश शुक्ला, विजय कुमार त्रिपाठी , हिमांशु दीक्षित, टी एन मिश्रा , नजम एहसन , आलोक द्विवेदी, अनिल सैनी आदि उपस्थित थे।

निरंकारी सामूहिक विवाह में 126 नवयुगल परिणय सूत्र में बंधे



बांदा।79वें निरंकारी संत समागम के समापन उपरांत समालखा के पावन मैदानों में सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित की दिव्य उपस्थिति में एक भव्य सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन किया गया। इस आध्यात्मिक और प्रेरणादायी समारोह में देश–विदेश से आए 126 नवयुगलों ने परिणय सूत्र में बंधकर अपने नए जीवन का शुभारंभ किया और सतगुरु से सुखमय दांपत्य जीवन का आशीर्वाद प्राप्त किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक जयमाला एवं निरंकारी सांझा–हार के साथ हुआ, जिसे मिशन की प्रधान आदरणीय राजकुमारी जी एवं अन्य कार्यकारिणी सदस्यों ने सभी नवविवाहित जोड़ों को पहनाकर उनके मंगलमय भविष्य की कामना की। इसके पश्चात हिंदी में भक्तिमय निरंकारी लावों का गायन किया गया, जिनमें विश्वास, सम्मान और समर्पण से परिपूर्ण गृहस्थ जीवन की शिक्षाएँ निहित थीं। समारोह के अंत में सतगुरु माता जी एवं निरंकारी राजपिता जी ने नवविवाहित जोड़ों पर पुष्पवृष्टि कर उन्हें सुख, शांति और आनंदमय जीवन का आशीर्वाद दिया।नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वचन देते हुए सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज ने कहा कि सामूहिक विवाह का भाव केवल एक आयोजन तक सीमित न रहकर जीवन जीने का ढंग बनना चाहिए। पति–पत्नी एक–दूसरे की जिम्मेदारियों को समान रूप से निभाते हुए प्रेम, विश्वास और तालमेल के साथ आगे बढ़ें तथा एक–दूसरे के दो पंख बनकर जीवन की हर परिस्थिति का सामना करें।उन्होंने सेवा, सुमिरन और सत्संग के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हुए कहा कि विवाह जीवनभर प्रेम, आदर और समर्पण से निभाया जाने वाला एक पवित्र रिश्ता है। पति–पत्नी एक–दूसरे की कमियों को सहजता से स्वीकार करें और क्षमा व विनम्रता का भाव बनाए रखें। उल्लेखनीय है कि सतगुरु माता जी के परिवार के सदस्य का शुभ विवाह भी इसी सामूहिक सादा शादियों के दौरान संपन्न हुआ। संत निरंकारी मंडल के सचिव जोगिन्दर सुखीजा ने जानकारी दी कि समाज कल्याण विभाग के सहयोग से आयोजित इस समारोह में बिहार, चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, जम्मू–कश्मीर, झारखंड, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल के अलावा ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा से आए नवयुगलों ने हिस्सा लिया। विभिन्न भाषाओं और संस्कृतियों के इन 126 जोड़ों का एक साथ परिणय सूत्र में बंधना वैश्विक भाईचारे और एकत्व की अनूठी मिसाल पेश करता है। यह दिव्य आयोजन सादगी, प्रेम और समानता का प्रतीक बनकर उभरा, जिसने यह संदेश दिया कि सच्चे संबंध मानवीय मूल्यों विश्वास और समर्पण से मजबूत होते हैं।

झोलाछाप डाक्टरों के काले कारोबार के खिलाफ बांदा के पत्रकारों का हल्लाबोल

-डीएम, एसपी और सीएमओ को सौंपा ज्ञापन

बांदा। जिले में बिना डिग्री, योग्यता और बगैर पंजीकरण के मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले कथित झोलाछाप डॉक्टरों के हौसले इतने बुलंद हो चुके हैं कि अब वे अपनी पोल खुलने से बौखलाकर मीडिया की कलम पर ही पहरा बिठाने की साजिश रचने लगे हैं। लेकिन बाँदा के बेबाक पत्रकारों ने इन मलाईदार कुकुरमुत्तों की साजिश का पर्दाफाश करते हुए प्रशासन के सामने हुंकार भर निष्पक्ष जांच और अवैध चाल के विरुद्ध कारवाई की मांग की है। प्रशासन और जिम्मेदार अधिकारियों ने पत्रकारों को आवस्त किया है कि दोषीयों के विरुद्ध कार्रवाई होगी। बिना जांच पड़ताल किसी भी पत्रकार पर कार्रवाई नही की जायेगी।

अवैध क्लीनिक चलाकर कमाई में मस्त कथित चिकित्सों का मामला तब गरमाया जब वरिष्ठ पत्रकार आत्माराम त्रिपाठी और उनके साथियों ने जिले में धड़ल्ले से चल रहे अवैध मेडिकल काले कारोबार और झोलाछाप संस्कृति की पोल खोलनी शुरू की। खबरों के धमाकेदार प्रकाशन के बाद जब स्वास्थ्य विभाग की नींद टूटी और कार्रवाई की सुई सरकने लगी, तो इन तथाकथित डॉक्टरों के पैरों तले जमीन खिसक गई। अपनी गर्दन फंसती देख इन झोलाछाप जालसाजों ने उल्टे चोर कोतवाल को डांटे तर्ज पर जिलाधिकारी , पुलिस अधीक्षक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी के दरबार में अर्जी लगा दी और मीडिया की खबरों पर ही रोक लगाने की मांग कर डाली। वही नरैनी अतर्रा रोड स्थित गर्गन पुरवा के राजकुमार नामक कथित चिकित्सक ने एक शपथ पत्र देकर वरिष्ठ पत्रकार आत्माराम त्रिपाठी और दो अज्ञात पर मनगढ़त आरोप लगाकर कार्रवाई की मांग की गुरुवार 29 अक्टूबर को सडक पर उतरकर डंडा झंडा और नारेबाजी के साथ फर्जी पत्रकारों का बैनर लेकर मीडिया पर अंकुश लगाने का प्रयास किया ।बस वही से मामला गरमा गया हालाकि बैनर लेकर आये कथित चिकित्सो से जब पत्रकारों ने कलेक्ट्रेट परिसर में सवाल पूछे तो वह ऐसे भागे की पता ही नही चला किस कोने से हवा में उडकर कहां चले गये। आज शुक्रवार 30 अक्टूबर को पत्रकारो ने जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक सहित सीएमओ से मुलाकात कर हालातों की जानकारी का एक पत्र सौंपा जिसपर नगर मजिस्ट्रेट ने पत्रकारों आश्वस्त किया कि जांच कर कार्यवाही की जायेगीं और कथित चिकित्सकों का फर्जीवाडा गोरख धंधा बंद कराया जायेगा। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल ने कहा कि मामला संज्ञान में है किसी भी पत्रकार के साथ बिना जांच कोई कार्यवाही अमल नही लाये जायेगी और कथित चिकित्सकों की खैर खबर ली जायेगी। मामला सीएमओ के दरबार में पहुंचा जा पर दर्जनों पत्रकारों की मौजूदगी में सीएमओ ब्रिजेन्द्र सिंह ने कहा कि पूरा मामला संज्ञान में आते ही निदेशालय लखनऊ को कुछ बिन्दुओं का पत्र भेज दिया गया है। जवाब आने पर जिला अधिकारी सहित प्रसानिक अधिकारियों से वार्ताकर एक कमेटी गठित कर पूरे प्रकरण की जांच की जायेगी और जिले में चल रहे अवैध चिकित्सा व्यापार पर अंकुश वैधानिक कार्यवाही की जायेगी। फिल हाल सीएमओ ने एक सप्ताह का समय मांगा है।इस अवसर पर पत्रकारों ने कुछ बिन्दुओं का ज्ञापन भी सौंपा है।



इस पूरे खेल के केंद्र में गर्गन पुरवा निवासी राजकुमार कुशवाहा का नाम प्रमुखता से सामने आया है। आरोप है कि वह बिना किसी वैध मेडिकल डिग्री और शासकीय पंजीकरण के मरीजों की जिंदगी के साथ सरेआम खिलवाड़ कर रहा है। जब मीडिया के डंडे से इन झोलाछाप माफियाओं पर कार्रवाई की तलवार लटकी, तो इन्होंने कुछ अन्य चेहरों के साथ मिलकर पत्रकारों के खिलाफ ही माहौल बनाने का कुचक्र रचा। बांदा के पत्रकारों ने इसे सीधे तौर पर श्सच का गला घोंटने की घिनौनी साजिशश् करार दिया है। और उक्त के विरुद्ध जल्द ही कार्यवाही की मांग की। मामले में चिकित्सक मित्र नामक संदिग्ध संगठन भी जांच के घेरे में आ गया है।

पत्रकारों ने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी है कि जनहित और स्वास्थ्य सेवा से जुड़े इस गंभीर मुद्दे को उजागर करना मीडिया का मौलिक दायित्व है। यदि किसी को खबर से मिर्ची लगी है तो वह तथ्यों और कागजों के साथ सामने आए। प्रशासनिक चैंबर और दबाव की राजनीति से सच को दबाया नहीं जा सकता। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी है कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग इन रसूखदार झोलाछाप डॉक्टरों पर क्या कड़ा चाबुक चलाता है या फिर मामले को ठंडे बस्ते में डालने की कोशिश होती है।

बेमौसम बारिश से तबाही का मंजर, संकट में धान की फसल

बांदा।बुंदेलखंड के बांदा जिले में कुदरत ने एक बार फिर किसानों की कमर तोड़ दी है। पिछले दो दिनों से रुक–रुककर बरस रहे झमाझम बादलों ने मानो अन्नदाता की महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। एक तरफ जहाँ पककर तैयार खड़ी धान की फसल खेतों में ही सड़ने और बर्बाद होने के कगार पर पहुँच गई है, वहीं दूसरी तरफ रबी की मुख्य फसलकृगेहूं की बुवाई के लिए तैयार बैठे किसानों के अरमानों पर भी पानी फिरता नजर आ रहा है। बेमौसम की इस मार ने पूरे जिले के ग्रामीण अंचल में हाहाकार मचा दिया है।जिले के जिन किसानों की धान की फसल पूरी तरह पककर कटने के लिए तैयार थी, उनके लिए यह बारिश किसी आफत से कम नहीं है। लगातार हो रही मूसलाधार और फुहार वाली बारिश से खेतों में पानी भर गया है। नतीजा यह है कि भारी वजन से धान की बालियां जमीन पर झुक गई है और लंबे समय तक गीले रहने से दानों के काले पड़ने व गुणवत्ता खराब होने का खतरा विकराल रूप ले चुका है। खलिहानों में सुखाने के लिए रखी गई फसल भी भीगकर सड़ने लगी है, जिससे किसानों की रातों की नींद उड़ गई है। धान की कटाई में हो रही इस भीषण देरी का सीधा असर अगली फसल यानी गेहूं की बुवाई पर पड़ रहा है। जिन किसानों ने खेतों की जुताई कर गेहूं की बुवाई के लिए पूरी तैयारी कर ली थी, वे अब खेतों में कीचड़ और अतिरिक्त जलभराव के चलते मजबूर लाचार खड़े है। कृषि विशेषज्ञों का साफ कहना है कि अत्यधिक गीली मिट्टी में जल्दबाजी करने से न सिर्फ खेत की उपजाऊ संरचना खराब होगी, बल्कि बीज के अंकुरण पर भी बुरा असर पड़ेगा। कुल मिलाकर, किसानों के सामने श्आगे कुआँ पीछे खाईश् जैसी स्थिति पैदा हो गई है।बारिश और आसमान में घिरे काले बादलों ने केवल किसानों के खेतों को ही नहीं उजाड़, बल्कि सुहागिनों के सबसे बड़े पर्व श्करवा चौथश् के उल्लास पर भी ग्रहण लगा दिया। चाँद के दीदार का बेसब्री से इंतजार कर रही महिलाओं को बादलों की लुकाछिपी के कारण घंटो ठिठुरना पड़ा और कई जगहों पर बिना चांद देखे ही मायूसी के साथ व्रत खोलना पड़ा

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

राजधानी

जौनपुर,शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

जनपद में पीईटी परीक्षा शांतिपूर्ण एवं निर्विघ्न संपन्न

हमीरपुर। जनपद में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा पीईटी दो पालियों में 12 परीक्षा केंद्रों पर शांतिपूर्ण, सकुशल एवं निर्विघ्न ढंग से संपन्न हुई। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई थीं।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि परीक्षा की शुचिता एवं सुचारू संचालन के लिए जनपद में पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सभी परीक्षा केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं जिससे परीक्षा प्रक्रिया व्यवस्थित रूप से संपन्न हो सके।उन्होंने बताया कि प्राम पाली की परीक्षा के दौरान कुल 5,136 पंजीकृत अभ्यर्थियों में से 3,442 अभ्यर्थी उपस्थित रहे, जबकि 1,694 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 67.02 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित तथा 32.98 प्रतिशत अनुपस्थित रहे।इसी क्रम में द्वितीय पाली की परीक्षा में कुल 5,136 पंजीकृत अभ्यर्थियों के सापेक्ष 3,341 अभ्यर्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 1,795 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार द्वितीय पाली में 65.05 प्रतिशत अभ्यर्थी उपस्थित तथा 34.95 प्रतिशत अनुपस्थित रहे।

प्रशासनिक एवं मजिस्ट्रेट स्तर पर की गई व्यवस्थाओं के परिणामस्वरूप परीक्षा दोनों पालियों में बिना किसी बाधा के शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।

पीएम किसान योजना की 24वीं किस्त का सजीव प्रसारण आयोजित

-2.14 लाख से अधिक किसानों के खातों में पहुँची राशि

बांदा।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के बनासकांठा से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के हस्तांतरण कार्यक्रम का सजीव प्रसारण बाँदा के विकास भवन स्थित रानी दुर्गावती सभागार में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ब्लॉक प्रमुख नसैनी मनफूल सिंह उपस्थित रहे।2,14,282 कृषकों के खातों में 42.85 करोड़ से अधिक की धनराशि हस्तांतरितकार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात उप कृषि निदेशक डॉ० ए०के०एस० यादव डॉ० अभय कुमार सिंह यादव द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की गई।उन्होंने अवगत कराया कि आज 24वीं किस्त के रूप में जनपद बाँदा के 2,14,282 कृषकों के खातों में कुल 42 करोड़ 85 लाख 64 हजार रुपये की धनराशि डीबीटी के माध्यम से अंतरित की गई है। उन्होंने सभी कृषकों से अनुरोध किया कि वे अपने कृषि फॉर्म का शत–प्रतिशत पंजीकरण अनिवार्य रूप से पूर्ण करा लें जिससे भविष्य में सभी योजनाओं का लाभ बिना किसी बाधा के प्राप्त हो सके।डिजिटल तकनीक अपनाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपीलकार्यक्रम की अगली कड़ी में मुख्य विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय ने कृषकों को कृषि के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि किसान भाई विभागों की लगभग समस्त योजनाओं की जानकारी और लाभ अपने मोबाइल के माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।इसके साथ ही कृषि यंत्रों की बुकिंग, बीज मिनीकिट, सिंचाई हेतु सोलर पंप, खेत सुरक्षा हेतु सोलर फेंसिंग व अन्य योजनाओं के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य सरकार और केंद्र सरकार किसानों के हित में हमेशा से समर्पित रही है और आगे भी किसानों की आय बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेती रहेगी। प्रधानमंत्री जी द्वारा अत्याधुनिक सेंटर का उद्घाटनकिसानों ने प्रधानमंत्री जी द्वारा एक क्लिक के माध्यम से 24वीं किस्त के अंतरण का सजीव प्रसारण देखा।

इस दौरान प्रधानमंत्री ने बनासकांठा के भीलड़ी में 127 एकड़ में फैले अत्याधुनिक भारत बेवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर और आईवीएफ प्रयोगशाला का उद्घाटन किया, जो देश का पहला उत्कृष्ट केंद्र है। उन्होंने कहा कि 2013–14 की तुलना में देश का कृषि बजट अब पाँच गुना से अधिक हो गया है। प्रमाण पत्र और बीज मिनीकिट वितरितकार्यक्रम के दौरान लगभग 245 कृषक एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के प्रमाण पत्र, विभिन्न फसलों के बीज मिनीकिट और मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए गए।इस कार्यक्रम में परियोजना निदेशक राजेश, जिला कृषि अधिकारी संजय कुमार, भूमि संरक्षण अधिकारी मनोज कुमार गौतम व द्वितीय राजेंद्र कुमार कुशवाहा, जिला विकास अधिकारी गैंदप्रभाकर, डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट मैनेजर यूपीएग्रीज अधिकारी सहित अन्य अधिकारी व बड़ी संख्या में किसान उपस्थित रहे। अंत में उप कृषि निदेशक द्वारा सभी का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की गई।

पात्र युवाओं का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित कराएं सभी शिक्षण संस्थान: डीएम

हमीरपुर।भारत निर्वाचन आयोग एवं मुख्य निर्वाचन अधिकारी, उत्तर प्रदेश के निर्देशों के क्रम में अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के आधार पर विधानसभा निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम को प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी अशोक कुमार की अध्यक्षता में जनपद के समस्त माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के प्राचार्यों तथा प्रबंधकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में पात्र युवाओं का मतदाता सूची में पंजीकरण सुनिश्चित कराने, निर्वाचन साक्षरता क्लब के गठन तथा मतदाता जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी रूप से संचालित करने के निर्देश दिए गए।

डीएम ने गूगल मीट के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संवाद कर शिकायतों के त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए निर्देश

हमीरपुर स जिलाधिकारी अशोक कुमार ने जनसुनवाई के दौरान जनपद के दूरदराज क्षेत्रों से अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे आगंतुकों एवं फरियादियों की शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक फरियादी की समस्या को



संवेदनशीलता के साथ समझते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।जनसुनवाई के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से गूगल मीट के माध्यम से वीडियो कॉल पर सीधे संवाद कर विभिन्न शिकायतों के संबंध में तत्काल आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का निस्तारण शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। अधिकारी शिकायतों को केवल औपचारिकता के रूप में न लें, बल्कि प्रत्येक प्रकरण में प्रभावी कार्रवाई करते हुए शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत एवं पात्र व्यक्तियों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसामान्य की समस्याओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की शिथिलता अथवा लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें तथा शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से भी अवगत कराएं। उन्होंने कहा कि जनशिकायतों के निस्तारण में संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं तत्परता बनाए रखना सभी अधिकारियों की जिम्मेदारी है। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

जिलाधिकारी ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय कुछेछा स्थित पीईटी परीक्षा केंद्र का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा

हमीरपुर स जनपद में प्रारंभिक अर्हता परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने के दृष्टिगत जिलाधिकारी अशोक कुमार ने राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कुछेछा स्थित परीक्षा केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्र पर अभ्यर्थियों के लिए की गई व्यवस्थाओं, सुरक्षा इंतजामों तथा परीक्षा संचालन की प्रक्रिया का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में कुल 12 परीक्षा केंद्रों पर दो पालियों में परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा की शुचिता एवं निष्पक्षता बनाए रखने के लिए प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर एक सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं एक स्टेटिक मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। इसके अतिरिक्त केंद्र व्यवस्थापक के साथ बाह्य सह–केंद्र व्यवस्थापक तथा कक्ष निरीक्षकों में आंतरिक एवं बाह्य निरीक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित



की गई है। सभी संबंधित अधिकारियों को अपने दायित्वों का पूरी गंभीरता एवं सतर्कता के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं। क्षेत्रीय उपजिलाधिकारियों को भी अपने–अपने क्षेत्रों में निरंतर भ्रमणशील रहकर परीक्षा व्यवस्था पर निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।जिलाधिकारी ने बताया कि अन्य जनपदों विशेषकर प्रयागराज, बांदा एवं कौशांबी आदि से आने वाले अभ्यर्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ठहरने की समुचित व्यवस्था की गई है। होटल एवं सराय संचालकों को उचित एवं किफायती दरों पर कमरे उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। इसके साथ ही नगरपालिका परिषद सभागार, अंबेडकर पार्क एवं रैन बसेरों में भी अभ्यर्थियों के ठहरने की व्यवस्था की गई है, ताकि बाहर से आने वाले परीक्षार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

अभ्यर्थियों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए स्थानीय ई–रिक्शा चालकों द्वारा रियायती दरों पर तथा कुछ स्थानों पर निःशुल्क परिवहन सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा बेतवा एवं यमुना पुल पर भारी वाहनों के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न न होने देने के लिए एआरटीओ एवं पीटीओ की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अतिरिक्त एनएचएआई के माध्यम से क्रेन आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिससे किसी वाहन के खराब होने की स्थिति में उसे तत्काल हटाकर यातायात सुचारू रखा जा सके।जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि परीक्षा के दौरान सभी व्यवस्थाएं निरंतर सक्रिय एवं व्यवस्थित रहें। अभ्यर्थियों को परीक्षा केंद्र तक पहुंचने, ठहरने एवं आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो तथा परीक्षा पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई जाए।

लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31अक्टूबर को मनाई जाएगी

हमीरपुर स लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 31 अक्टूबर, 2026 को राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस के रूप में मनाई जाएगी। इस अवसर पर जनपद में विभिन्न शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने बताया कि सरदार वल्लभभाई पटेल के राष्ट्र निर्माण में योगदान, अदम्य साहस, दूरदर्शिता तथा देश की एकता और अखंडता के प्रति उनके समर्पण से जनसामान्य एवं युवा पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से पूरे दिन विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 8रू00 बजे प्राथमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा अपने–अपने क्षेत्रों में प्रभात फेरी तथा माध्यमिक विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा रैली निकाली जाएगी। प्रातः 9रू00 बजे राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन, राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता दिवस पर जनपद के विभिन्न विद्यालयों के छात्र–छात्राओं द्वारा स्लोगन का सामूहिक संकलन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त जिला संयुक्त चिकित्सालय में मरीजों को फल वितरित किए जाएंगे तथा वृद्ध एवं कुष्ठ आश्रम में भोजन वितरण का कार्यक्रम आयोजित होगा। राजकीय इंटर कॉलेज, हमीरपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी। वहीं डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम सभागार, कलेक्ट्रेट में सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन पर विचार गोष्ठी एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

मुख्य विकास अधिकारी ने संबंधित अधिकारियों एवं आयोजकों को निर्देशित किया है कि सभी कार्यक्रमों का आयोजन निर्धारित समय एवं स्थल पर सुव्यवस्थित ढंग से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने जनपदवासियों, विद्यार्थियों, युवाओं एवं स्वयंसेवी संस्थाओं से भी अपील की है कि राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता के इस महत्वपूर्ण अवसर पर आयोजित कार्यक्रमों में बढ़–चढ़कर सहभागिता करें तथा सरदार वल्लभभाई पटेल के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करें।

अब घर बैठे जमा करें डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, बुजुर्ग पेंशनरों को कोषागार आने की जरूरत नहीं- आनन्द कुमार सिंह बरिष्ठ कोषाधिकारी उरई जालौन



उरई (जालौन) वरिष्ठ कोषाधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने बताया कि शासन के आदेश पर जनपद में 1 से 30 नवम्बर तक डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र अभियान चलेगा।मुख्य सचिव कार्यालय, उ०प्र० शासन के आदेश सं०–394 दिनांक 14.10.2026 के क्रम में यह राष्ट्रव्यापी क्रू अभियान पाँच चरणों में आयोजित किया जाना है।इसी क्रम में कोषागार कार्यालय में वरिष्ठ कोषाधिकारी की अध्यक्षता में पेंशनरों एवं पेंशनर संगठनों के साथ बैठक हुई। बैठक में अस्वस्थता एवं अधिक आयु के कारण कोषागार न आ पाने वाले पेंशनरों को राहत देने पर चर्चा की गई।क्रू के माध्यम से पेंशनभोगी पेंशन संवितरण प्राधिकारी के कार्यालय में उपस्थित हुए बिना कहीं से भी अपना जीवन प्रमाण पत्र जमा कर सकते हैं। इससे कार्यालय आने की परेशानी खत्म होगी और प्रक्रिया आसान होगी।

भारत सरकार की वेबसाइट रममअंदचतंउंद.हवअ.पद पर जायें। स्मार्ट फोन से फेस ऑथेंटिकेशन के माध्यम से घर बैठे प्रमाण पत्र जमा करें। पी०पी०ओ० नं०, बैंक खाता संख्या और सही प्च्ै की प्रविष्टि ऑनलाइन करें।सही डाटा भरने के बाद कोषागार में अलग से जीवित प्रमाण पत्र भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।जो पेंशनर केन्द्रों पर आने में असमर्थ हैं, उनके लिए डोरस्टेप क्रू सुविधा दी जायेगी। विभागीय टीम घर जाकर प्रमाण पत्र लेगी।वरिष्ठ कोषाधिकारी ने पेंशनरों और संगठनों से अपील की कि इस सुविधा की जानकारी अधिक से अधिक बुजुर्ग और अस्वस्थ पेंशनरों तक पहुँचायें, ताकि सभी समय से अपना प्रमाण पत्र जमा कर सकें।

पीईटी-2026 की दूसरे दिन की परीक्षा भी शांतिपूर्ण संपन्न, दोनों पालियों में 7,007 अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

उरई (जालौन)प्रारंभिक अर्हता परीक्षा (च्ज्)–2026 को नकलविहीन, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा। शुक्रवार को जनपद के 12 परीक्षा केंद्रों पर दूसरे दिन की परीक्षा दोनों पालियों में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। जिलाधिकारी समीर व पुलिस अधीक्षक सुरेश चंद्र रावत ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर



सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी और परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से हो रही निगरानी, कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, परीक्षा कक्षों की व्यवस्था तथा पेयजल एवं शौचालय जैसी आवश्यक सुविधाओं का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने परीक्षा की शुचिता बनाए रखने और सभी व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनपद में परीक्षा के लिए कुल 12 केंद्र बनाए गए हैं। दूसरे दिन प्रत्येक पाली में 4,992 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। प्रथम पाली में 3,519 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी, जबकि 1,473 अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। इस प्रकार प्रथम पाली में 70.49 प्रतिशत अभ्यर्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई। वहीं द्वितीय पाली में 3,488 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए तथा 1,504 अनुपस्थित रहे। इस पाली में 69.87 प्रतिशत उपस्थिति रही। इस प्रकार दोनों पालियों को मिलाकर कुल 7,007 अभ्यर्थियों ने परीक्षा में प्रतिभाग किया। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा केंद्रों पर सतत निगरानी, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम और व्यवस्थाओं के नियमित निरीक्षण के चलते जनपद में च्ज्–2026 के दूसरे दिन की परीक्षा शांतिपूर्ण एवं सकुशल संपन्न हुई।

पीएलवी ने मानव तस्करी, महिलाओं एवं बच्चों के संरक्षण की दी जानकारी



सुमेरपुर, हमीरपुर स शुक्रवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर के तत्वावधान में जनपद न्यायाधीशश्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर रामप्यारे जी के कुशल मार्गदर्शन एवं सिविल जज सीनियर डिवीजन डिवीजनश्सचिव श्रीमती वन्दना अग्रवाल जी के कुशल दिशा निर्देशन में कन्या उच्च प्राथमिक विद्यालय सुमेरपुर में विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीएलवी गणेश सिंह द्वारा ष्मानव तस्करी, महिलाओं एवं बच्चों के संरक्षण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। पीएलवी गणेश सिंह ने बच्चों को उनकी आयु और समझ के अनुकूल संवेदनशील और सरल वातावरण में कानूनी जानकारी दी। पीएलवी गणेश सिंह ने बताया कि भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत मानव तस्करी से जुड़े अपराधों और कठोर दंड का प्रावधान किया गया है। यौन अपराधों से बालकों का संरक्षण पोक्सो एक्ट अधिनियम 2012 बच्चों को यौन शोषण, उत्पीड़न और दुर्व्यवहार से संरक्षण प्रदान करता है। किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम 2015 देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों के बचाव, देखभाल और पुनर्वास की व्यवस्था करता है। बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, बंधुआ प्रणाली उन्मूलन अधिनियम 1976 और बाल श्रम प्रतिषेध एवं विनिमयन अधिनियम 1986 अन्य विशेष कानून हैं। तस्करी की शिकार महिलाओं और बच्चों को अपराधों या आप्रवासन कानून का उल्लंघनकर्ता नहीं माना जाता बल्कि उन्हें पीड़ित मानकर सुरक्षा दी जाती है। एंटी ह्युमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स एक विशेष मानव तस्करी रोधी इकाई है जो मानव तस्करी के मामलों की रोकथाम, जांच और पीड़ितों को बचाने का काम करती है। गंभीर प्रकृति के मानव तस्करी के मामलों की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण द्वारा भी की जा सकती है। आपातकालीन स्थिति या जानकारी देने के लिए राष्ट्रीय महिला आयोग हेल्पलाइन, महिला हेल्पलाइन 1090, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, और आपातकालीन पुलिस सेवा (112) का उपयोग किया जा सकता है। यह भी बताया कि 14 साल तक के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का अधिकार है। पीएलवी गणेश सिंह ने गुड टच–बैड टच, यौन उत्पीड़न, पोर्नोग्राफी, बाल विवाह, बाल श्रम, नशा मुक्ति और साइबर सुरक्षा से बचाव आदि के बारे में बताया। आगे कहा कि किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना अथवा लैंगिक अपराध की स्थिति में चुप न रहें। घटना की सूचना तत्काल अपने अभिभावकों एवं शिक्षकों को दें।

सेवानिवृत शिक्षक हरीराम गुप्त, सेवानिवृत शिक्षक कैलाश सोनी एवं प्रधानाचार्या वन्दना त्रिपाठी जी ने भी बच्चों को उनके अधिकारों सहित अन्य उपयोगी जानकारी दी। विद्यालय की शिक्षिका रंजना गुप्ता, मंजूलता एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

स्वयं सहायता समूहों ने महिलाओं के भूमि अधिकारों को दी आवाज, गांव में ही कराया मौखिक बंटवारे का निस्तारण

उरई (जालौन)ग्रामीण महिलाओं को उनके भूमि एवं संपत्ति संबंधी अधिकार दिलाने और राजस्व विवादों का गांव स्तर पर ही समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने एक सराहनीय पहल शुरू की है। ग्राम्य विकास विभाग एवं राजस्व प्रशासन के आपसी समन्वय से स्वयं सहायता समूहों को महिलाओं के भूमि अधिकारों की आवाज बनाया जा रहा है। समूहों के माध्यम से महिलाओं की समस्याओं को चिह्नित कर उनका समाधान राजस्व प्रक्रिया के तहत गांव में ही कराया जा रहा है। इस पहल से न केवल लंबे समय से लंबित मौखिक बंटवारे के मामलों को निस्तारण की दिशा मिल रही है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक और सशक्त बनाने का भी प्रयास किया जा रहा है। इसी क्रम में विकासखंड डकोर की ग्राम पंचायत कुठौंद में मुख्य विकास अधिकारी केके सिंह की उपस्थिति में मौखिक बंटवारे को कुर्रा के माध्यम से राजस्व अभिलेखों में स्थायी स्वरूप प्रदान करने की कार्यवाही संपन्न कराई गई। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही, उपायुक्त श्रम रोजगार रामेंद्र सिंह एवं उपायुक्त एनआरएलएम अखिलेश तिवारी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। कार्यवाही के दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट रिंकू सिंह राही ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में अनेक परिवारों के बीच भूमि का बंटवारा आपसी सहमति से मौखिक रूप से हो जाता है, लेकिन निर्धारित राजस्व प्रक्रिया पूरी न होने के कारण अभिलेखों में उसका विधिवत अंकन नहीं हो पाता। समय बीतने के साथ यही स्थिति पारिवारिक एवं भूमि संबंधी विवादों का कारण बनती है। ऐसे मामलों को समय रहते चिह्नित कर उनका समाधान कराना प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि इस दिशा में स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई है। समूहों के माध्यम से गांवों में महिलाओं से संवाद स्थापित कर उनकी भूमि एवं संपत्ति संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त की जा रही है। इसके बाद संबंधित राजस्व अधिकारियों के सहयोग से पात्र प्रकरणों में आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराते हुए मौखिक बंटवारे को कुर्रा के माध्यम से राजस्व अभिलेखों में दर्ज कराने की कार्रवाई की जा रही है। इससे ग्रामीण महिलाओं को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार–बार तहसील और सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता भी कम होगी। उन्होंने कहा कि इस पहल में स्वयं सहायता समूह केवल आजीविका और आर्थिक गतिविधियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे ग्रामीण महिलाओं के अधिकारों की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाने और उन्हें न्याय दिलाने में भी प्रभावी माध्यम बन रहे हैं। समूहों के माध्यम से महिलाओं को उनके भूमि अधिकारों, राजस्व संबंधी प्रक्रियाओं और उपलब्ध प्रशासनिक सुविधाओं के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

मौखिक बंटवारे को निर्धारित राजस्व प्रक्रिया के तहत अभिलेखों में दर्ज कराने से भूमि की स्थिति स्पष्ट होगी और भविष्य में एक ही भूमि को लेकर उत्पन्न होने वाले विवादों की आशंका कम होगी। इससे परिवारों के बीच आपसी सहमति और सौहार्द बनाए रखने में भी मदद मिलेगी। खास बात यह है कि इस पूरी प्रक्रिया में महिलाओं की सहभागिता सुनिश्चित कर उन्हें अपने अधिकारों के प्रति जागरूक बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप जिला प्रशासन का यह प्रयास राजस्व वादों के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। प्रशासन का उद्देश्य है कि भूमि संबंधी छोटे–छोटे विवाद समय रहते गांव में ही संवाद, आपसी सहमति और विधिक राजस्व प्रक्रिया के माध्यम से सुलझाए जाएं, ताकि वे भविष्य में बड़े मुकदमों का रूप न लें। स्वयं सहायता समूहों की सक्रिय भागीदारी से शुरू हुई यह पहल ग्रामीण महिलाओं के सशक्तीकरण के साथ–साथ गांवों में सुगम न्याय और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था की नई मिसाल बन रही है। इससे महिलाओं को अपने अधिकारों की पहचान मिल रही है और प्रशासन भी सीधे गांव तक पहुंचकर लोगों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कर रहा है।

01 नवंबर को चौरा देवी ग्राउंड में आयोजित होगा मेगा लीगल कैंप

विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की मिलेगी जानकारी

हमीरपुर स जनपद न्यायाधीशश्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण हमीरपुर की अध्यक्षता में आगामी 01 नवंबर, 2026 को चौरा देवी ग्राउंड, हमीरपुर में मेगा लीगल कैंप का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में आमजन को विधिक सहायता उपलब्ध कराने के साथ–साथ विभिन्न शासकीय विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की जाएगी तथा पात्र लाभार्थियों को लाभान्वित किया जाएगा।मुख्य विकास अधिकारी अरुण कुमार सिंह ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया है कि वे मेगा लीगल कैंप में अपने–अपने विभागीय स्टॉल स्थापित कर योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि स्टॉल के माध्यम से विभागीय योजनाओं की पात्रता, लाभ एवं आवेदन प्रक्रिया की जानकारी दी जाए, ताकि अधिक से अधिक पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।कार्यक्रम में वन, कृषि, उद्यान एवं फल संरक्षण, बेसिक शिक्षा, महिला कल्याण, पंचायतीराज, आईसीडीएस, ग्राम्य विकास, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, बैंकिंग, पर्यटन, आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सा, उद्योग, सूचना, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, श्रम, खाद्य एवं रसद, नगर विकास, दुग्ध विकास, पुलिस, मत्स्य, पशुपालन, विद्युत एवं नेडा, आईटीआई एं कौशल विकास, परिवहन, कृषि रक्षा, युवा कल्याण, दिव्यांगजन सशक्तीकरण तथा जल निगम ग्रामीण सहित विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाए जाएंगे।मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि जिन विभागों की योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र अथवा अन्य सामग्री वितरित की जानी है, वे संबंधित लाभार्थियों की सूची पूर्व से तैयार कर आवश्यक अभिलेख एवं सामग्री उपलब्ध रखना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के दिन लाभार्थियों को बुलाने तथा उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने की जिम्मेदारी संबंधित विभागों की होगी।उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे 01 नवंबर, 2026 को चौरा देवी ग्राउंड में आयोजित मेगा लीगल कैंप में स्वयं उपस्थित रहकर अपने–अपने विभागीय स्टॉल की व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें तथा जनकल्याणकारी योजनाओं एवं शासकीय कार्यक्रमों की जानकारी आगंतुकों और आमजन को उपलब्ध कराएं।



आरएसएस के किले नागपुर और मोदी के गढ़ वाराणसी में बीजेपी की करार हार से सत्ता पक्ष की नींद उड़ी

नीरज कुमार दुबे ।

चार राज्यों की 28 सीटों के चुनाव में छक। ने 16 सीटें जीतकर बढ़त बनाई, लेकिन नागपुर में कांग्रेस और वाराणसी में समाजवादी पार्टी की जीत ने भाजपा के सामने अलग राजनीतिक सवाल खड़े किए। विपक्ष ने इन नतीजों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दावों और भाजपा की चुनावी रणनीति से जोड़कर हमला तेज किया है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसे ही सोशल मीडिया पर कांग्रेस की सीटों की संख्या को लेकर तंज कसते हुए पूछा कि आखिर कांग्रेस को कितनी सीटें मिलीं, उसके कुछ ही समय बाद महाराष्ट्र के नागपुर में कांग्रेस ने जीत दर्ज कर अपना खाता खोल दिया। इतना ही नहीं, प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी भाजपा को दोनों विधान परिषद सीटों पर हार का सामना करना पड़ा और विपक्षी समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की। इस तरह कांग्रेस पर कटाक्ष करने की कोशिश में भाजपा खुद ही राजनीतिक कटाक्ष का निशाना बन गई। है के मुख्यालय नागपुर में कांग्रेस की जीत और मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में विपक्ष की सफलता ने इन डरू चुनावों के नतीजों को एक नया राजनीतिक मोड़ दे दिया।देखा जाये तो चार राज्यों के विधान परिषद चुनावों के नतीजों ने राष्ट्रीय राजनीति में एक दिलचस्प तस्वीर पेश की है। भाजपा के नेतृत्व वाले छक। ने कुल 28 सीटों में 16 पर जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस को केवल महाराष्ट्र की नागपुर स्नातक सीट पर सफलता मिली। लेकिन इन परिणामों का राजनीतिक महत्व केवल सीटों के कुल आंकड़े तक सीमित नहीं है। महाराष्ट्र में नागपुर और उत्तर प्रदेश में वाराणसी की हार ने भाजपा के लिए प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उसके संगठनात्मक प्रभाव पर चर्चा शुरू कर दी है।हम आपको बता दें कि महाराष्ट्र की नागपुर स्नातक निर्वाचन सीट पर कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को 3,271 मतों से हराकर सीट बरकरार रखी। वंजारी को 67,231 और कोहले को 63,960 वोट मिले। लगभग दो दिन चली मतगणना में दूसरे वरीयता के मत निर्णायक साबित हुए। इस निर्वाचन क्षेत्र का महत्व इसलिए भी है कि नागपुर है का मुख्यालय होने के साथ–साथ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का गृहक्षेत्र भी है। यह परिणाम भाजपा के लिए स्थानीय स्तर पर संगठन और मतदाता संपर्क की समीक्षा का अवसर है। गडकरी लंबे समय तक इसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं और भाजपा ने इस बार भी सीट वापस पाने के लिए अभियान चलाया था। इसके बावजूद कांग्रेस की लगातार दूसरी जीत बताती है कि मजबूत वैचारिक और संगठनात्मक आधार वाले क्षेत्र में भी चुनावी परिणाम स्वतः सुनिश्चित नहीं होते।दूसरी ओर, कांग्रेस ने इस जीत को भाजपा के शुरुआती दावों के जवाब के रूप में पेश किया। महाराष्ट्र कांग्रेस ने मुख्यमंत्री फडणवीस की उस सोशल मीडिया पोस्ट पर तंज कसा, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के शून्य सीटों पर रहने की बात कही थी। नागपुर का परिणाम आने के बाद पार्टी ने उनकी पोस्ट हटाए जाने को लेकर भी कटाक्ष किया। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने इसे भाजपा के राजनीतिक दावों के लिए झटका बताया।

वहीं उत्तर प्रदेश के चुनावों में वाराणसी का परिणाम और भी महत्वपूर्ण रहा। समाजवादी पार्टी ने वाराणसी शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में लाल बिहारी यादव के माध्यम से अपनी सीट बरकरार रखी। इसके साथ ही सपा के आशुतोष सिन्हा ने वाराणसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र में भी जीत हासिल की। इस तरह प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र से जुड़ी दोनों विधान परिषद सीटें भाजपा के हाथ से निकल गईं। पूरे उत्तर प्रदेश में भाजपा ने 11 में से छह और सपा ने पांच सीटें जीतीं।वैसे इन नतीजों का अर्थ यह नहीं है कि वाराणसी के सभी मतदाताओं ने भाजपा के खिलाफ मतदान किया है। विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों का मतदाता वर्ग सीमित और विशिष्ट है। फिर भी, 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले वाराणसी में दोनों सीटों पर हार सपा के लिए राजनीतिक उत्साह बढ़ाने वाली और भाजपा के लिए स्थानीय संगठन की समीक्षा करने वाली घटना है।हम आपको यह भी बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी ने डरू चुनावों में कांग्रेस के शुरुआती कमजोर प्रदर्शन पर तंज कसा था। इसके जवाब में कांग्रेस नेताओं ने नागपुर और वाराणसी के परिणामों को सामने रखकर भाजपा पर पलटवार किया। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री को कांग्रेस की सीटों की संख्या पर टिप्पणी करने के साथ यह भी आत्ममंथन करना चाहिए कि वाराणसी में भाजपा दोनों सीटें क्यों हार गई और है के गढ़ नागपुर में कांग्रेस ने जीत कैसे हासिल की? उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और निजी निवेश से जुड़े मुद्दों का उल्लेख करते हुए दावा किया कि मतदाताओं ने केंद्र सरकार की नीतियों के प्रति असंतोष जताया है।

वहीं कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी प्रधानमंत्री की बैलेट पेपर वाली टिप्पणी पर पलटवार करते हुए नागपुर और वाराणसी के परिणामों का उल्लेख किया। उनका तर्क था कि यदि भाजपा बैलेट पेपर से हुए चुनावों के नतीजों को कांग्रेस की कमजोरी का प्रमाण बता रही है, तो उसे अपने उन क्षेत्रों में हार पर भी जवाब देना चाहिए जहां भाजपा की मजबूत राजनीतिक मौजूदगी मानी जाती है।

दूसरी ओर, समग्र तस्वीर में छक। की 16 सीटों की जीत महत्वपूर्ण है। कर्नाटक में भाजपा–जेडीएस गठबंधन ने चारों सीटें जीतीं, उत्तर प्रदेश में भाजपा छह सीटों पर विजयी रही और बिहार में भाजपा–जदयू ने मिलकर चार सीटें हासिल कीं। दूसरी ओर, महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी ने पांच में से तीन सीटें जीतीं और उत्तर प्रदेश में सपा ने पांच सीटों पर सफलता हासिल की।

इन परिणामों से तीन राजनीतिक संदेश निकलते हैं। एक तो छक। का कुल प्रदर्शन उसे मनोवैज्ञानिक बढ़त देता है। दूसरा, नागपुर और वाराणसी जैसे प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में हार भाजपा के लिए स्थानीय चुनावी समीकरणों और संगठनात्मक रणनीति की समीक्षा का विषय है। तीसरा, कांग्रेस और छक। गठबंधन के लिए क्षेत्रीय सहयोगियों के साथ समन्वय और चुनावी प्रदर्शन को मजबूत करना जरूरी है।

बहरहाल, नागपुर और वाराणसी में भाजपा की हार को महज स्थानीय चुनावी घटनाक्रम बताकर खारिज नहीं किया जा सकता। एक ओर छक। ने कुल सीटों के आंकड़े में बढ़त बनाकर अपनी चुनावी ताकत का प्रदर्शन किया, तो दूसरी ओर विपक्ष ने उन क्षेत्रों में भाजपा को शिकस्त दी, जिनकी पहचान उसके मजबूत राजनीतिक प्रभाव से जुड़ी है। है के मुख्यालय नागपुर में कांग्रेस की जीत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में समाजवादी पार्टी की सफलता ने भाजपा के राजनीतिक दावों के बीच असहज सवाल खड़े कर दिए हैं। अब निगाहें आगामी विधानसभा चुनावों पर हैं, देखना होगा कि क्या विपक्ष इन प्रतीकात्मक जीतों को व्यापक जनसमर्थन में बदलकर भाजपा के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर पाएगा, या भाजपा

सम्पादकीय

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना

भारत की जनसंख्या का 16.6त्न हिस्सा अनुसूचित जाति (एससी) का है और इन्हें सामाजिक–आर्थिक उन्नति और समावेशन में ऐतिहासिक रूप से बाधाओं का सामना करना पड़ा है। इन असमानताओं को दूर करना सामाजिक न्याय, समान अवसर और भारत के विकास पथ में व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। इन विकास संबंधी कमियों को पहचानते हुए, भारत सरकार ने अनुसूचित जातियों के समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम–एजेएवाई) शुरू की।

समावेशी सशक्तिकरण का दृष्टिकोण

प्रधानमंत्री अनुसूचित जाति अभ्युदय योजना (पीएम–एजेएवाई) वित्त वर्ष 2021–22 में शुरू की गई एक पूर्णतरू केंद्र प्रायोजित योजना है। इसका उद्देश्य एक व्यापक और एकीकृत दृष्टिकोण के जरिए अनुसूचित जाति समुदायों का सामाजिक–आर्थिक और शैक्षिक सशक्तिकरण करना है। सरकार ने पीएम–एजीएवाई योजना के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण कार्यान्वयन के लिए पीएम–एजेएवाई मोबाइल ऐप और पीएम–एजेएवाई पोर्टल लॉन्च किया है।

पीएम–एजेएवाई तीन पूर्व केंद्र प्रायोजित योजनाओं, अर्थात् प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना (पीएमएजीवाई), अनुसूचित जातियों के लिए विशेष केंद्रीय सहायता उप योजना (एससीए टू एससीएसपी) और बाबू जगजीवन राम छात्रावास योजना (बीजेआरसीवाई) का विलय करके बनाई गई योजना है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित पीएम–एजेएवाई योजना, सभी के लिए विकास सुनिश्चित करने के अपने व्यापक लक्ष्य को निम्नलिखित तीन मुख्य उद्देश्यों के माध्यम से व्यावहारिक रूप देती हैरू

अतिरिक्त रोजगार के अवसर सृजित करके अनुसूचित जाति समुदायों की गरीबी कम करना। यह कौशल विकास, आय सृजन योजनाओं और अन्य पहलों के माध्यम से किया जा सकता है। इन हस्तक्षेपों का उद्देश्य आजीविका के अवसरों को बढ़ाना और लाभार्थियों को स्थायी आय सृजन गतिविधियों से जुड़ने में सक्षम बनाना है।

अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्रों में पर्याप्त बुनियादी ढांचा और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करके सामाजिक–आर्थिक विकास संकेतकों में सुधार करना। यह योजना विकास संबंधी महत्वपूर्ण अंतरों को पाटने और जीवन की बेहतर गुणवत्ता में योगदान देने वाली आवश्यक सुविधाओं तक पहुंच में सुधार लाने का प्रयास करती है।

साक्षरता बढ़ाना और अनुसूचित जातियों को विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में नामांकन के लिए प्रोत्साहित करना। यह गुणवत्तापूर्ण संस्थानों और आवासीय विद्यालयों में पर्याप्त आवासीय सुविधाएं प्रदान करके प्राप्त किया जाता है, विशेष रूप से आकांक्षी जिलोंअनुसूचित जाति बहुल ब्लॉकों और भारत के अन्य हिस्सों में।

पीएम–एजेएवाई से कौन लाभान्वित हो सकता है?

पीएम– एजेएवाई के केंद्र में पात्रता का एक सुविचारित ढांचा है, जो यह सुनिश्चित करता है कि योजना का लाभ उन व्यक्तियों और समुदायों तक पहुंचे, जिनके लिए यह लक्षित है। तदनुसार, योजना तक पहुंच निम्नलिखित मानदंडों के आधार पर निर्धारित की जाती हैरू

जीआईए घटक के तहत लाभार्थियों का चयन करते समय, उन परिवारोंव्यक्तियों को प्राथमिकता दी जाती है, जिनकी वार्षिक आय 2.50 लाख रुपये प्रति वर्ष से अधिक नहीं है। अनुसूचित जाति बहुसंख्यक समूह के अनुसूचित जाति सदस्य भी पात्र होंगे।

अवसंरचना विकास के मामले में, जिन गांवों में अनुसूचित जाति की आबादी 40त्न या उससे अधिक है और कुल जनसंख्या 500 या उससे अधिक है, वे इस योजना के तहत अनुदान के लिए पात्र हैं।

पीएम– एजेएवाई इन एक्शन

पीएम– एजेएवाई योजना विकास के विभिन्न पहलुओं को संबोधित करने के लिए तीन विशिष्ट घटकों पर आधारित हैरूअनुसूचित जाति बहुल गांवों का आदर्श ग्राम में विकास

अनुसूचित जाति बहुल गांवों को बुनियादी ढांचे और सेवाओं में मौजूद महत्वपूर्ण कमियों को दूर करके आदर्श ग्राम (मॉडल गांव) में परिवर्तित करना। आदर्श ग्राम घटक के अंतर्गत 47,243 गांव शामिल हैं, जिससे देशभर में 47.79 लाख से अधिक नागरिकों को लाभ हुआ है। कुल 46,944 विकास कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 27,032 ग्राम विकास योजनाएं (वीडीपी) तैयार की गई हैं। 8 सितंबर 2026 तक, 18,093 गांवों को आदर्श ग्राम घोषित किया गया है, जो अनुसूचित जाति बहुल गांवों में बुनियादी ढांचे, मूलभूत सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति को दर्शाता है।

आदर्श ग्राम वह है, जहां लोगों को विभिन्न मूलभूत सेवाओं तक पहुंच प्राप्त हो। समाज के सभी वर्गों की न्यूनतम आवश्यकताएं पूरी तरह से पूरी की जाती हैं और असमानताओं को न्यूनतम स्तर तक कम किया जाता है। इन गांवों में गरिमापूर्ण जीवन के लिए जरुरी सभी बुनियादी ढांचे और सभी निवासियों के लिए सुलभता सुनिश्चित करने की परिकल्पना की गई है। इससे प्रत्येक निवासी को अपनी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए अनुकूल वातावरण प्राप्त होता है।राज्यधजिला स्त पर सामाजिक–आर्थिक परियोजनाओं के लिए अनुदान सहायताअनुसूचित जाति (एससी) के सामाजिक–आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से जिलाध्राज्य स्तरीय परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।



शिव कान्त मिश्र

ग्लोबल वार्मिंगः विकास की अंधी दौड़ या मानवता के विनाश की आहट ?

पृथ्वी को बचाना है, तो अपनी आदतें बदलनी होंगी !!

आज पूरी दुनिया एक ऐसे संकट का सामना कर रही है, जिसका प्रभाव किसी एक देश, समाज या व्यक्ति तक सीमित नहीं है। यह संकट है ग्लोबल वार्मिंग अर्थात वैश्विक तापवृद्धि का। कहीं भीषण गर्मी जनजीवन को बेहाल कर रही है, कहीं बेमौसम बारिश और बाढ़ तबाही मचा रही हैं तो कहीं सूखे के कारण पानी और भोजन का संकट गहरा रहा है। पृथ्वी, जो करोड़ों वर्षों से जीवन का आधार रही है, आज मानवीय गतिविधियों के कारण तेजी से गर्म हो रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या हम समय रहते अपनी गलतियों को सुधारकर इस संकट की गंभीरता कम कर सकते हैं?

इसका जवाब हैकृहाँ, लेकिन इसके लिए केवल चिंता जताना पर्याप्त नहीं होगा। हमें अपनी जीवनशैली, विकास की प्राथमिकताओं और प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में ठोस बदलाव करने होंगे। विज्ञान ने जलवायु परिवर्तन के कारणों और उसके संभावित परिणामों को स्पष्ट किया है। अब आवश्यकता है कि व्यक्ति, समाज, उद्योग और सरकारें इस ज्ञान को व्यवहार में उतारें। पृथ्वी की रक्षा किसी एक वर्ग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि पूरी मानवता का साझा कर्तव्य है।

ग्लोबल वार्मिंग का अर्थ पृथ्वी के औसत तापमान में दीर्घकालिक वृद्धि है। सूर्य की ऊर्जा पृथ्वी की सतह को गर्म करती है और पृथ्वी इस ऊर्जा का कुछ हिस्सा अंतरिक्ष में वापस भेजती है। वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड, मीथेन और नाइट्रस ऑक्साइड जैसी ग्रीनहाउस गैसें ऊष्मा के एक हिस्से को रोककर रखती हैं। प्राकृतिक रूप से यह प्रक्रिया पृथ्वी को जीवन के अनुकूल बनाए रखती है, लेकिन मानवीय गतिविधियों के कारण इन गैसों की मात्रा बढ़ने से तापमान असामान्य रूप से बढ़ रहा है।

कोयला, पेट्रोल, डीजल और प्राकृतिक गैस का अत्यधिक उपयोग, जंगलों की कटाई तथा उद्योगों और परिवहन से होने वाला उत्सर्जन इस समस्या के प्रमुख कारण हैं। आधुनिक विकास ने जीवन को सुविधाजनक बनाया है, लेकिन प्रकृति की सीमाओं की अनदेखी करके किया गया विकास अंततः मानव जीवन के लिए ही खतरा बन सकता है। इसलिए अब विकास की ऐसी दिशा चुनना जरूरी है, जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ पर्यावरण का संतुलन भी बना रहे।

बढ़ते तापमान के परिणाम अनेक रूपों में दिखाई दे रहे हैं। अत्यधिक गर्मी लोगों के स्वास्थ्य, श्रमिकों की कार्यक्षमता और कृषि उत्पादन को प्रभावित कर सकती है। हिमनदों का पिघलना समुद्र के स्तर में वृद्धि में योगदान देता है, जबकि वर्षा के बदलते स्वरूप से कई क्षेत्रों में बाढ़ और सूखे का जोखिम बढ़ सकता है। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि हर प्राकृतिक आपदा का कारण केवल ग्लोबल वार्मिंग नहीं होता, लेकिन जलवायु परिवर्तन अनेक चरम मौसमी घटनाओं की तीव्रता या संभावना बढ़ा सकता है।

भारत जैसे कृषि–प्रधान देश के लिए यह चुनौती विशेष रूप से गंभीर है। करोड़ों लोगों की आजीविका खेती पर निर्भर करती है और कृषि का बड़ा हिस्सा मानसून से प्रभावित होता है। अत्यधिक गर्मी फसलों की पैदावार घटा सकती है, जबकि अनियमित वर्षा बुवाई और कटाई के समय को प्रभावित कर सकती है। शहरों में कंक्रीट की इमारतों, सीमित हरित क्षेत्रों और वाहनों से निकलने वाली गर्मी के कारण स्थानीय तापमान आसपास के क्षेत्रों की तुलना में अधिक हो सकता है। इसलिए जलवायु परिवर्तन से निपटने के साथ–साथ उसके प्रभावों से बचाव की तैयारी करना भी जरूरी है।

इस दिशा में सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक है जंगलों और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्रों की रक्षा। पेड़ वायुमंडल से कार्बन डाइऑक्साइड ग्रहण करते हैं, छाया प्रदान करते हैं, मिट्टी का कटाव रोकते हैं और अनेक जीव–जंतुओं को आश्रय देते हैं। जंगल और आर्द्रभूमियाँ जलचक्र तथा जैव विविधता के संतुलन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इसलिए अंधाधुंध कटाई रोकना और प्राकृतिक क्षेत्रों को सुरक्षित रखना प्राथमिकता होनी चाहिए।

पौधारोपण के अभियान भी उपयोगी हैं लेकिन उनकी सफलता केवल लगाए गए पौधों की संख्या से नहीं, बल्कि उनके जीवित रहने और विकसित होने से तय होती है। स्थानीय जलवायु के अनुकूल प्रजातियों का चयन करना और नियमित देखभाल सुनिश्चित करना आवश्यक है। विद्यालयों, ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और सामाजिक संस्थाओं को पौधे लगाने के साथ उनकी जिम्मेदारी भी लेनी चाहिए। प्राकृतिक जंगलों को नष्ट करके केवल कुछ प्रजातियों के पेड़ लगा देना उनके पारिस्थितिक महत्व की पूरी भरपाई नहीं कर सकता। प्रकृति के संरक्षण के साथ ऊर्जा के उपयोग में बदलाव लाना भी अनिवार्य है। बिजली की मांग का एक बड़ा हिस्सा आज भी कोयले जैसे जीवाश्म ईंधनों से पूरा किया जाता है। इनके जलने से निकलने वाली कार्बन डाइऑक्साइड ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाती है। इसके विकल्प के रूप में सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना तथा ऊर्जा की बर्बादी रोकना आवश्यक है।

नागरिक अपने घरों से ही शुरुआत कर सकते हैं। अनावश्यक लाइट और पंखे बंद रखना, एलईडी बल्ब लगाना, ऊर्जा–कुशल उपकरणों का इस्तेमाल करना और एयर कंडीशनर को उचित तापमान पर चलाना उपयोगी कदम हैं। जहां संभव हो, सौर ऊर्जा अपनाई जा सकती है। हालांकि, व्यक्तिगत बचत के साथ बड़े बिजलीघरों और उद्योगों में उत्सर्जन घटाना भी जरूरी है। सरकारों और ऊर्जा कंपनियों को स्वच्छ ऊर्जा, ऊर्जा भंडारण तथा आधुनिक बिजली नेटवर्क में निवेश बढ़ाना चाहिए, ताकि स्वच्छ बिजली भरोसेमंद और किफायती बन सके। परिवहन व्यवस्था में सुधार भी इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। पेट्रोल और डीजल से चलने वाले वाहनों से ग्रीनहाउस गैसों के साथ वायु प्रदूषक भी निकलते हैं। यदि सार्वजनिक परिवहन सुविधाजनक, सुरक्षित और समयबद्ध हो, तो निजी वाहनों पर निर्भरता घट सकती है। बस, मेट्रो और रेल सेवाओं का विस्तार, सुरक्षित फुटपाथ तथा साइकिल मार्ग विकसित करना शहरों को अधिक स्वच्छ और रहने योग्य बना सकता है। छोटी दूरी के लिए पैदल चलना या साइकिल का उपयोग करना स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी है। इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना उपयोगी हो सकता है, लेकिन उनका वास्तविक पर्यावरणीय लाभ इस बात पर भी निर्भर करता है कि उन्हें चार्ज करने के लिए बिजली किस स्रोत से प्राप्त होती है।

कृषि क्षेत्र में सुधार करके भी उत्सर्जन कम करने और बदलती जलवायु के प्रभावों से निपटने में मदद मिल सकती है। किसानों को ऐसी तकनीकों और संसाधनों की उपलब्धता होनी चाहिए, जिनसे पानी की बचत हो, मिट्टी की उर्वरता बनी रहे और उत्पादन अधिक टिकाऊ बने। फसल चक्र अपनाना, मिट्टी में जैविक पदार्थों की मात्रा बढ़ाना, उर्वरकों का संतुलित इस्तेमाल करना तथा फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उनके उपयोगी विकल्प अपनाना लाभकारी कदम हैं। धान की खेती और पशुपालन से निकलने वाली मीथेन को कम करने के लिए भी वैज्ञानिक तरीकों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

पानी का विवेकपूर्ण उपयोग भी उतना ही आवश्यक है। वर्षा जल संचयन, तालाबों और जलाशयों का संरक्षण तथा भूजल का संतुलित उपयोग भविष्य की जल सुरक्षा मजबूत कर सकते हैं। गांवों में पारंपरिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करना और शहरों में बारिश के पानी को संचित करने की व्यवस्था विकसित करना उपयोगी होगा। जल संरक्षण से न केवल लोगों की जरूरतें पूरी करने में मदद मिलती है, बल्कि कृषि और प्राकृतिक पर्यावरण को भी सहारा मिलता है।हमारी उपभोग संबंधी आदतों में सुधार भी जरूरी है। जरूरत से अधिक खरीदारी, भोजन की बर्बादी और कचरे का अनुचित निपटान प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव बढ़ाते हैं। ८

पत्रकारिता पर अंकुश व दायित्व



(वीपी राहुल–हिफी फीचर)

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण कानून का उद्देश्य प्रेस की स्वतंत्रता को सीमित करना नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पत्रकारिता की स्वतंत्रता भारतीय संविधान से संरक्षित है और सरकार का इसे प्रभावित करने का कोई इरादा नहीं है। साथ ही, उन्होंने समाचार संगठनों और संपादकों को कानून से जुड़ी आशंकाओं पर खुलकर चर्चा करने के लिए आमंत्रित किया। वैष्णव का यह बयान ऐसे समय आया है, जब डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 और उससे जुड़े नियमों को लेकर मीडिया संस्थानों की चिंताएं बढ़ गई हैं। समाचार प्रकाशकों का कहना है कि कानून में पत्रकारिता के लिए स्पष्ट छूट नहीं होने से खोजी पत्रकारिता, गोपनीय सूत्रों की सुरक्षा और जनहित से जुड़े मामलों की रिपोर्टिंग प्रभावित हो सकती है।

वैष्णव ने गत, 28 अक्टूबर को कहा कि सरकार मीडिया प्रतिनिधियों के सुझाव सुनने और जरूरत पड़ने पर उनकी चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार है। उनके मुताबिक, डिजिटल डेटा संरक्षण कानून का आधार निजता के अधिकार को मौलिक अधिकार मानने वाला सुप्रीम कोर्ट का फैसला है। सरकार का उद्देश्य नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी को अनधिकृत इस्तेमाल और दुरुपयोग से बचाना है, न कि पत्रकारों को अपना काम करने से रोकना। मंत्री ने कहा कि कानून बनाने की प्रक्रिया के दौरान समाचार पत्रों, टेलीविजन चैनलों, मीडिया प्रतिनिधियों और सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र से जुड़े पक्षों के साथ विचार–विमर्श किया गया था। उन्होंने दोहराया कि संवैधानिक रूप से संरक्षित पत्रकारिता की स्वतंत्रता बरकरार रहेगी।

मंत्री का यह बयान डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स एसोसिएशन (डीएनपीए) की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किए जाने के एक दिन बाद आया। डीएनपीए 21 समाचार प्रकाशकों का प्रतिनिधित्व करता है। इस संगठन में देश के कई प्रमुख मीडिया समूह शामिल हैं। एसोसिएशन ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम और 2025 में अधिसूचित इसके नियमों के कुछ प्रावधानों को चुनौती दी है। याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि कानून में पत्रकारिता संबंधी गतिविधियों के लिए स्पष्ट अपवाद नहीं होने से समाचार संस्थानों के कामकाज पर गंभीर असर पड़

सकता है। संगठन ने अदालत से विवादित प्रावधानों पर रोक लगाने की भी मांग की है। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जवाब मांगा है और मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को निर्धारित की है।

मीडिया संगठनों की प्रमुख चिंता यह है कि कानून के तहत व्यक्तिगत डेटा के इस्तेमाल पर लागू होने वाली सहमति और सूचना संबंधी शर्तें पत्रकारिता के व्यावहारिक काम में बाधा बन सकती हैं। किसी घोटाले, भ्रष्टाचार या सार्वजनिक पद पर बैठे व्यक्ति के कथित दुराचार की जांच करते समय पत्रकारों को दस्तावेजों, डिजिटल रिकॉर्ड और विभिन्न स्रोतों से मिली जानकारियों का विश्लेषण करना पड़ता है। कई बार संबंधित व्यक्ति की सहमति लिए बिना भी उसके बारे में उपलब्ध जानकारी की पड़ताल करना जनहित में जरूरी होता है। यदि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी का इस्तेमाल करने से पहले उसकी सहमति लेना अनिवार्य हो जाए, तो आशंका है कि जांच की खबर प्रकाशित होने से पहले ही संबंधित व्यक्ति को इसकी जानकारी मिल सकती है। इससे रिपोर्टिंग प्रभावित होने और संभावित गड़बड़ियों को उजागर करना मुश्किल होने का खतरा बताया जा रहा है।

डीएनपीए का कहना है कि पत्रकारिता को सामान्य व्यावसायिक गतिविधियों की तरह नहीं देखा जा सकता, क्योंकि मीडिया की भूमिका केवल सूचना प्रकाशित करना नहीं, बल्कि सत्ता और सार्वजनिक संस्थानों को जवाबदेह बनाना भी है। संगठन के अनुसार, पत्रकारों को कई बार ऐसे मामलों की जांच करनी होती है जिनमें संबंधित व्यक्ति जानकारी साझा करने या उसकी जांच की अनुमति देने के लिए तैयार नहीं होता। ऐसी परिस्थितियों में सहमति से जुड़ी शर्तें खोजी पत्रकारिता की स्वतंत्रता को सीमित कर सकती हैं। प्रकाशकों ने यह भी चिंता जताई है कि यदि किसी खबर में उल्लिखित व्यक्ति बाद में अपनी जानकारी हटाने की मांग करता है, तो इससे समाचार अभिलेखों और पुरानी रिपोर्टों को सुरक्षित रखने पर भी असर पड़ सकता है। हालांकि, कानून में डेटा हटाने से संबंधित अधिकारों के साथ कुछ अपवाद भी हैं इसलिए इसका वास्तविक प्रभाव संबंधित प्रावधानों और उनके क्रियान्वयन पर निर्भर करेगा।

पत्रकारिता के गोपनीय सूत्रों की सुरक्षा भी इस विवाद का महत्वपूर्ण पहलू है। खोजी पत्रकारिता में कई बार अधिकारी, कर्मचारी या अन्य जानकार लोग अपनी पहचान सार्वजनिक किए बिना महत्वपूर्ण सूचनाएं उपलब्ध कराते हैं। यदि सूचना उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति की पहचान उजागर होने का खतरा बढ़ता है, तो इससे भविष्य में लोग पत्रकारों से जानकारी साझा करने से हिचक सकते हैं। समाचार प्रकाशकों ने कानून के तहत सरकार की ओर से जानकारी मांगने से संबंधित प्रावधानों पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि इन शक्तियों के इस्तेमाल से पत्रकारों के स्रोतों और समाचार संगठनों की कार्यप्रणाली से जुड़ी संवेदनशील जानकारी प्रभावित हो सकती है। सरकार की ओर से इन आशंकाओं को लेकर संवाद का प्रस्ताव दिया गया है, लेकिन पत्रकारिता के लिए स्पष्ट कानूनी सुरक्षा की मांग अभी बनी हुई है।इस विवाद का संबंध केवल प्रेस की स्वतंत्रता से नहीं, बल्कि सूचना के अधिकार से भी है। डीएनपीए ने सूचना का अधिकार अधिनियम में किए गए बदलावों पर भी चिंता जताई है। संगठन का तर्क है कि व्यक्तिगत जानकारी के अपवाद से जुड़े प्रावधानों में बदलाव का इस्तेमाल सरकारी अधिकारियों और सार्वजनिक संस्थानों से संबंधित सूचनाओं तक पहुंच सीमित करने के लिए किया जा सकता है।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम, 2023 का व्यापक उद्देश्य डिजिटल माध्यमों से एकत्र की जाने वाली व्यक्तिगत जानकारी के इस्तेमाल को विनियमित करना है। डिजिटल सेवाओं, ऑनलाइन लेनदेन और इंटरनेट आधारित प्लेटफॉर्म के बढ़ते उपयोग के बीच नागरिकों की व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा महत्वपूर्ण हो गई है। कानून के तहत डेटा का इस्तेमाल करने वाले संगठनों पर निर्धारित जिम्मेदारियां लागू होती हैं। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि लोगों की जानकारी का इस्तेमाल तय उद्देश्यों और कानूनी शर्तों के अनुरूप हो। मीडिया संगठनों का कहना है कि पत्रकारिता में व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल कई बार किसी व्यक्ति के निजी जीवन में अनावश्यक हस्तक्षेप के लिए नहीं, बल्कि सार्वजनिक महत्व के तथ्यों को सामने लाने के लिए किया जाता है।

भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कारों का महत्त्व ,विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन



प्रयागराज। जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज के संस्कृत एवं प्राचीन इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ष्भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कारों का महत्त्व ष विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के उपाचार्य डा. विनोद कुमार मुख्य वक्ता रहे।डा. विनोद कुमार ने संस्कार शब्द की व्युत्पत्ति, स्वरुप, संख्या, उद्देश्य एवं प्रयोजन से लेकर वर्तमान में उनकी प्रासंगिकता पर विशद रूप से प्रकाश डाला। संस्कार के विधान की वैज्ञानिक व सामाजिक अपरिहार्यता को भी उदाहरणों के साथ स्पष्ट किया। वक्ता ने कहा कि संस्कारों के निहितार्थ को समझकर ही हम भारतीय ज्ञान परम्परा को अक्षुण्ण रख सकते हैं।इस अवसर पर संस्कृत दिवस पर आयोजित व्हाट्सएप स्टेटस निर्माण प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। सलोनी मिश्रा प्रथम, अंजलि सिंह और पारूल मिश्रा को द्वितीय, प्रियंका सिंह और शिवांशी पाण्डेय तृतीय स्थान पर रहे साथ ही कविता यादव, तनू राय और पूजा शुक्ला को प्रोत्साहन पुरस्कार प्राप्त किया। निर्णायक मंडल में डा. विजयलक्ष्मी और डा. अनुराग पाण्डेय रहे।प्राचार्या प्रो. आशिमा घोष ने वक्ता का स्वागत किया और भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता को महत्त्वपूर्ण बताया। स्वागत एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. मीना श्री यादव और संचालन डा. प्रमा द्विवेदी ने किया।इस अवसर पर प्रो. अंशुमाला मिश्रा, डा. ऐश्वर्या सिंह, डा. सुकृति मिश्रा,डा. निर्मला गुप्ता,डा. बलराम पाठक, डा. शालिनी सिंह,डा. शारदा कुमारी इत्यादि शिक्षकगण, शोधार्थी एवं बड़ी संख्या में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर निबंध, पोस्टर एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता



प्रयागराज। स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती के अवसर पर भारत सरकार की संस्था आयकर विभाग प्रयागराज एवं ठा० हर नारायण सिंह ग्रुप ऑफ कॉलेजेस के संयुक्त तत्वाधान में सामाजिक स्तर पर सतर्कता जागरुकता अभियान के तहत निबंध, पोस्टर एवं वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें स्नातक एवं परास्नातक के लगभग 180 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उपनिदेशक ई० विनय प्रताप सिंह, आयकर अधिकारी एन० के० वर्मा, आयकर अधिकरी रेशमा बा द्वारा दीप प्रज्ज्वलन से हुआ।प्राचार्य डॉ० अजय गोविंद राव ने भ्रष्टाचार मुक्त एवं समृद्ध राष्ट्र के निर्माण हेतु देश भर में चलाये जा रहें विभिन्न सतर्कता जागरुकता अभियान की सराहना करते हुए सत्यनिष्ठा से समृद्धि विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला।कार्यक्रम को संपन्न कराने में डीन श्री अखिलेन्द्र प्रताप सिंह, डॉ० ज्योति यादव, श्रीमती सुम्बुल सिद्दीकी, सुश्री दिव्या सिंह, श्री विवेक मिश्रा, डॉ० आर०के० अग्रवाल, श्री सुंदरम शर्मा, श्री संदीप सिंह, डॉ० आयशा मारिया आदि शिक्षकों सहित आयकर विभाग के अनेक वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहें।निबंध प्रतियोगिता में एम०कॉम० की आयशा अंसारी प्रथम, बी०कॉम० के सुमित वर्मा द्वितीय तथा बी०एस०सी० की प्रकृति रावत तृतीय स्थान पर रहीं।आयकर विभाग की टीम ने विजेताओं को सर्टिफिकेट व उपहार देकर सम्मानित किया तथा इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग किये समस्त प्रतिभागियों को गिफ्ट हैम्पर देकर प्रोत्साहित किया।

अनियंत्रित कार ने स्कूटी सवार को मारी टक्कर, छात्र की मौत, छात्रा गंभीर

प्रयागराज। कर्नलगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात तेज रफ्तार कार की टक्कर से इलाहाबाद विश्वविद्यालय के 20 वर्षीय छात्र अनीश कुमार की मौत हो गई। हादसे में स्कूटी पर उसके साथ मौजूद छात्रा भाव्या गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना मनमोहन पार्क चौराहे के पास हुई। टक्कर के बाद कार चालक मौके से भाग निकला। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिए कार और उसके चालक की पहचान करने में जुटी है।प्राप्त जानकारी के अनुसार मूलतः कौशांबी के चरवा कस्बे का निवासी अनीश कुमार पुत्र राजपाल इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा था। विश्वविद्यालय के एक हॉस्टल में रहता था। उसके साथ मौजूद भाव्या वाराणसी की रहने वाली है और विश्वविद्यालय की छात्रा है।गुरुवार रात दोनों स्कूटी से जा रहे थे। मनमोहन पार्क चौराहे के पास कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे के बाद दोनों सड़क पर गिरकर घायल हो गए।पुलिस को अनीश के पास से परिचय पत्र और आधार कार्ड मिला। इनके आधार पर उसकी पहचान कर परिजनों को सूचना दी गई। देर रात परिवार के लोग कौशांबी से स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल पहुंचे। अनीश की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया।कर्नलगंज थाने के कार्यवाहक थाना प्रभारी वीरेंद्र कुशवाहा ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों से पूछताछ में कार की टक्कर से हादसा होने की जानकारी मिली है। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रवाद के वैचारिक सिद्धांतों पर कार्य करता है- महापौर

31अक्टूबर को होगा प्रथम गृहमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का प्रतिमा अनावरण



प्रयागराज। भाजपा के द्वारा राहुल शर्मा के सभागार गऊघाट में भाजपा नवनियुक्त प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी प्रदेश कार्यसमिति सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता राष्ट्रवाद के वैचारिक क्रांति का योद्धा हैं जो राष्ट्रवादी विचारधारा को लेकर का देश और समाज के लिए कार्य करता है। फिर चाहे उसे पद प्रतिष्ठा मिले या न मिले। उसके लिए पद एक जिम्मेदारी हो सकता है लेकिन वह अपने को सिर्फ कार्यकर्ता ही मानता है। इस अवसर नवनियुक्त प्रदेश कार्यसमिति सदस्य पदुम जायसवाल, ज्ञानेश्वर शुक्ला ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर कर काम करेंगे और 2027 के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ कमल खिलाएंगे पूर्व मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 31 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की जन्म जयंती के अवसर पर उत्तर प्रदेश के कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह एवं महापौर गणेश केसरवानी के नेतृत्व में दोपहर 1रू 30 बजे सरदार पटेल मार्ग पर सरदार वल्लभ भाई पटेल जी का प्रतिमा अनावरण का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के संयोजक दिलीप केसरवानी श और संचालन भाजपा महानगर उपाध्यक्ष प्रमोद मोदी और धन्यवाद राहुल शर्मा ने किया।बधाई देने वालों में ब्यूटी श्रीवास्तव, संजय गुप्ता, क्षमा दुबे, आचार्य चन्द्रशेखर मिश्रा, मनोज मिश्रा, नरेंद्र जायसवाल गिरिजेश मिश्रा, किशोरी लाल जायसवाल, सचिन मिश्रा, श्याम प्रकाश पाण्डेय,अजय अग्रहरि,अभिषेक जायसवाल, चंद्रशेखर वैश्य, मनोज मिश्र, कमलेश कसरवानी, टीपी मिश्रा, शुभम मालवीय, आदि सैकड़ो भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो थानों में डीजे संचालकों पर एफआईआर, अन्य क्षेत्रों में कार्रवाई नहीं

सुल्तानपुर। दुर्गा पूजा महोत्सव के दौरान विसर्जन शोभायात्राओं में तेज आवाज और बेस के साथ डीजे बजाने के मामलों में पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठने लगे हैं। नगर कोतवाली और कुड़वार थाने में डीजे संचालकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है, जबकि बल्दीराय, बंधुआकला, लंभुआ और दोस्तपुर थाना क्षेत्रों में डीजे प्रतियोगिता के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बावजूद अब तक किसी कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। शारदीय नवरात्र से शुरू हुए दुर्गा पूजा महोत्सव के तहत जिले के अलग–अलग क्षेत्रों में दशहरा, द्वादशी और पूर्णिमा को प्रतिमाओं की विसर्जन शोभायात्राएं निकाली गई थीं। आरोप है कि इन आयोजनों में कई स्थानों पर तेज ध्वनि और भारी बेस के साथ डीजे बजाने की प्रतिस्पर्धा हुई। सबसे पहले दशहरा के दिन लंभुआ में डीजे प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, लेकिन इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद द्वादशी से दोस्तपुर में निकली विसर्जन शोभायात्रा में भी डीजे संचालकों पर निर्धारित मानकों की अनदेखी करने के आरोप लगे, लेकिन कार्रवाई नहीं की गई। इसी तरह पूर्णिमा के दिन बंधुआकला थाना क्षेत्र के अलीगंज कस्बे में दिन में निकली शोभायात्रा के दौरान भी डीजे प्रतियोगिता हुई। बल्दीराय थाना क्षेत्र में भी विसर्जन शोभायात्रा के दौरान डीजे संचालकों के बीच प्रतिस्पर्धा के वीडियो सामने आए हैं। इन मामलों में अब तक पुलिस की ओर से कार्रवाई किए जाने की जानकारी नहीं मिली है। वहीं, नगर कोतवाली में उपनिरीक्षक अविनाश चंद्र और कुड़वार थाने में उपनिरीक्षक अम्बरीश पाठक की तहरीर पर डीजे संचालकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। खास बात यह है कि कुड़वार कस्बे में विसर्जन शोभायात्रा के दौरान किसी तरह की डीजे प्रतियोगिता नहीं होने की बात कही जा रही है। इसके बावजूद यहां मुकदमा दर्ज होने से पुलिस की कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। गौरतलब है कि विसर्जन शोभायात्रा के दौरान कुड़वार कस्बे में डीआईजी सोमेन वर्मा, एसपी विनीत जायसवाल समेत अन्य अधिकारियों ने भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया था।

प्रयागराज जिले के किसानों को मिला 119 करोड़ का तोहफा

दीपावली के पहले अन्नदाता किसान को बड़ी सौगात



प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में सीमांत और छोटी जोत वाले किसानों की संख्या सर्वाधिक है । सीमित आय वाले इन किसानों को खेती–किसानी में कई तरह की आर्थिक मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। दीपावली के पहले इन्हे एक बड़ा तोहफा मिला है द्य पीएम किसान सम्मान निधि 24 वीं किस्त अन्नदाता के खाते मे भेजी गई जिसमे प्रयागराज के पाँच लाख से अधिक किसान भी शामिल हैं।डबल इंजन की सरकार की तरफ से दी जा रही आर्थिक मदद का अन्नदाता का इंतजार शुक्रवार को खत्म गया । दीपावली के पहले लघु और सीमांत किसानों के लिए लागू की गई पीएम किसान सम्मान निधि की 24 वीं किश्त सीधे उनके खातों में जारी कर दी गई ।प्रयागराज के कृषि उपनिदेशक पवन कुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि प्रयागराज जिले में प्रयागराज जिले 5,96,022 अन्नदाता को 24 वीं किसान सम्मान निधि योजना उनके खाते मे सीधे भेज दी गई है ।नई नियमावली के अनुसार जनपद के उन्ही किसानों को इसका लाभ मिल है जिनकी फार्मर रेजिस्ट्री हो चुकी हैप्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि डीबीटी के माध्यम से दो–दो हजार रुपये सीधे लाभार्थी के खाते में हस्तांतरित हुए हैं। इसमें पात्र किसान परिवार के एक सदस्य को प्रतिवर्ष छह हजार रुपये की आर्थिक सहायता वर्ष में दो–दो हजार रुपये प्रति किस्त के रूप में तीन बार में प्रदान किए जाने की व्यवस्था है। इधर हर साल किसान सम्मान निधि पाने वाले किसानों की संख्या बढ़ रही है द्य जो पात्र किसान अभी तक इसमे पंजीकृत नहीं थे उन्हे भी जोड़ने के लिए अभियान चलाया गया द्य डीडी कृषि पवन कुमार विश्वकर्मा बताते हैं कि जपनद मे इस बार 119 करोड़ से अधिक की धनराशि सीधे किसानों के खातों मे भेजी गई द्य इसे लेकर प्रयागराज के विकास भवन मे एक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया जिसमे किसानों और प्रमुख प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया द्य कार्यक्रम मे प्रधानमंत्री जी के द्वारा शुक्रवार को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजनांतर्गत बनासकांठा, गुजरात से पीएम किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त का हस्तांतरण कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। इसमे जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा, मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह उपस्थित रहे।

रोटरी अरिहंत ने 'अक्षय अन्न सेवा संकल्प' के अंतर्गत किया भोजन वितरण

प्रयागराज। रोटरी इलाहाबाद अरिहंत द्वारा राम जानकी मंदिर अन्न क्षेत्र, त्रिवेणी संगम में 'अक्षय अन्न सेवा संकल्प द्य भोजन वितरण अभियान' का आयोजन किया गया। प्रोजेक्ट चेयरपर्सन रो० अंजू देवी के नेतृत्व में आयोजित इस सेवा प्रकल्प का उद्देश्य जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना एवं मानवता की सेवा करना रहा।क्लब के संस्थापक रो० शशांक जैन ने कहा कि किसी भूखे को भोजन कराना सबसे बड़ा पुण्य है। रोटरी अरिहंत का संकल्प है कि इस सेवा प्रकल्प को प्रत्येक माह नियमित रूप से आयोजित किया जाए, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंदों तक सेवा पहुँचाई जा सके।इस अवसर पर चार्टर प्रेसिडेंट रो० डॉ. कीर्ति अग्रवाल ने कहा कि जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराना समाज के प्रति हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रोजेक्ट चेयरपर्सन रो० अंजू देवी ने कहा कि इस सेवा प्रकल्प के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाना और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाना हमारा उद्देश्य है। क्लब द्वारा इस प्रकल्प को प्रत्येक माह नियमित रूप से



आयोजित करने का संकल्प लिया गया है, ताकि जरूरतमंद लोगों तक भोजन पहुँचाने की सेवा निरंतर जारी रहे। भविष्य में इस सेवा प्रकल्प का नेतृत्व क्लब के विभिन्न सदस्यों को सौंपने का संकल्प है।कार्यक्रम में रो० डॉ कीर्ति अग्रवाल, रो० के. एम. प्रजापति, रो० अंकित अग्रवाल, रो० तुषार गुप्ता, रो० पंकज अग्रवाल एवं रो० संध्या अग्रवाल सहित क्लब के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

चैम्बर एलाटमेंट प्रक्रिया रोकने की मांग

हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी को सौंपा ज्ञापन



प्रयागराज। भारतीय न्याय मंच, हाईकोर्ट कार्यकारिणी ने शुक्रवार को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी से चौम्बर एलाटमेंट प्रक्रिया रोकने की मांग की है। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के अध्यक्ष डा सी पी उपाध्याय और महासचिव संतोष कुमार मिश्रा को ज्ञापन देते हुए भारतीय न्याय मंच ने मांग की है कि निःशुल्क आवंटन की मांग पूरी होने के निर्णय तक चौंबर एलाटमेंट की प्रक्रिया स्थगित की जाए। भारतीय न्याय मंच के अध्यक्ष अधिवक्ता कमल नारायण सिंह और महासचिव अधिवक्ता संजय कुमार राय ने कहा कि नवनिर्मित चौम्बर एलाटमेंट को निःशुल्क करने की मांग लगातार हो रही है, जिस पर आश्वासन मिलता रहा है, परंतु निर्णय होना अभी शेष है। ऐसे में यह प्रकरण मुख्य न्यायमूर्ति और चौम्बर एलाटमेंट कमेटी, इलाहाबाद के समक्ष विचाराधीन है तथा मुख्यमंत्री से भी हुई वार्ता के क्रम में निर्णय विचाराधीन है। ऐसे में चौम्बर एलाटमेंट कमेटी द्वारा 21 अक्टूबर को चौम्बर आवंटन प्रक्रिया शुरू कर दी गई तथा प्रत्येक चौम्बर के मुख्य आवंटी को 75000 रुपए की धनराशि जमा करने की अंतिम तिथि 05 नवंबर नीयत गई है। पूर्व उपाध्यक्ष हाईकोर्ट बार एसोशिएशन श्रीराम पांडेय के प्रस्ताव पर भारतीय न्याय मंच, उच्च न्यायालय कार्यकारिणी की बैठक आज हुई। जिसमें चौंबर एलाटमेंट प्रक्रिया शुरू होने का विरोध किया गया। जिसकी अध्यक्षता कमल नारायण सिंह तथा संचालन संजय कुमार राय ने किया। बैठक में पूर्व उपाध्यक्ष श्रीराम पाण्डेय, बी बी राय, कौशल कुमार ओझा, मनीष द्विवेदी, सुनील कुमार, गुफरान खान, अशोक कुमार सिंह, राकेश कुमार भारती, अजिताभ चौबे, पीयूष पाण्डेय, अंकित मिश्रा, विकास द्विवेदी, विकास मिश्रा, अनुराग यादव, अभिषेक पाण्डेय, आशुतोष पाठक, विनोद कुमार पाल समेत तमाम उपस्थित रहे।

पीपी कमैचा में संजय कुमार सिंह अध्यक्ष एवं डा. विनय प्रजापति मंत्री निर्विरोध निर्वाचित



सुल्तानपुर। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ सुल्तानपुर (सम्बद्ध– अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ भारत) की ब्लॉक इकाई पीपी कमैचा में त्रैवार्षिक अधिवेशन एवं शिक्षक सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन के दौरान ब्लॉक इकाई के निर्वाचन की प्रक्रिया निर्धारित समयानुसार सम्पन्न कराई गई।ब्लॉक इकाई पीपी कमैचा में कुल 409 मतदाता थे। अध्यक्ष पद पर संजय कुमार सिंह एवं मंत्री पद पर डॉ.विनय प्रजापति ने निर्धारित समय पर अपना–अपना नामांकन दाखिल किया। दोनों पदों के लिए एक–एक नामांकन प्राप्त हुआ। नामांकन पत्रों की जांच के उपरांत दोनों नामांकन पत्र वैध पाए गए। अन्य किसी पद पर नामांकन दाखिल न होने के कारण निर्वाचक कमेटी ने अध्यक्ष पद पर संजय कुमार सिंह एवं मंत्री पद पर डॉ.विनय प्रजापति को निर्विरोध विजयी घोषित किया।निर्वाचन प्रक्रिया में मतदान पर्यवेक्षक के रूप में जिला संगठन मंत्री विपिन कुमार यादव, मतदान अधिकारी के रूप में जिला उपाध्यक्ष राजीव कुमार यादव तथा जिला मीडिया प्रभारी डॉ.चन्द्रपाल राजभर रहे। नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं मंत्री को जिला अध्यक्ष दिनेश उपाध्याय ने बधाई देते हुए कहा कि हमारा संगठन शिक्षक हित के लिए हमेशा समर्पित रहा है और रहेगा। वहीं सोशल मीडिया के माध्यम से जिला मंत्री राम आशीष मौर्य ने बधाई दीं। उन्होंने विश्वास जताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारी शिक्षक हितों के लिए संगठन को और मजबूत करने का कार्य करेंगे।इस अवसर पर अल्का पाण्डेय जी,दोस्तपुर ब्लाक अध्यक्ष रामचन्द्र राजभर,अध्यक्ष कादीपुर अरूण कुमार सिंह, जू.शि.संघ के अध्यक्ष महेंद्र प्रताप यादव, मंत्री राम शिरोमणि भास्कर, दिलीप कुमार सिंह, अनिल कुमार तिवारी, दीपक कुमार सिंह, जलालुद्दीन अंसारी, घनश्याम प्रभाकर, शिवकुमार पांडेय,राजेश कुमार यादव,शेषमैन यादव, अखिलेश श्रीवास्तव, सुनील सिंह, कृष्ण चंद्र यादव, सुभाषचंद्र यादव, सतीश कुमार मौर्य, सुरेशचंद यादव, बृजेश यादव, छोटेलाल पाल, सुरेंद्र कुमार एआरपी सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

अर्नब तूफान का असर, सुबह से हो रही हल्की-हल्की बारिश:



प्रयागराज। संगम नगरी में शुक्रवार सुबह से मौसम का मिजाज बदल गया है। आसमान में बादल छाए हैं और रुक–रुककर रिमझिम बारिश हो रही है। तेज और ठंडी हवाओं के चलते तापमान में 4 से 5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के लिए बारिश, गरज–चमक और तेज हवाओं का अलर्ट जारी किया है।मौसम में आए बदलाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने शुक्रवार को कक्षा 8 तक के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी थी। बारिश के कारण खेतों में तैयार धान की फसल को नुकसान पहुंचने की आशंका से किसान चिंतित हैं। प्रशासन ने लोगों और किसानों से सावधानी बरतने की अपील की है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 24 घंटे के दौरान हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। इस दौरान गरज–चमक के साथ बिजली गिरने की भी आशंका है।

मौसम खराब रहने के दौरान लोगों को घरों में रहने और बिना जरूरी काम के बाहर नहीं निकलने की सलाह दी गई है।

चन्द्रशेखर आजाद बहुजनों के हक अधिकार व मान सम्मान के प्रतीक है

प्रयागराज। बहुजन समाज की सत्ता प्रतिस्थापित करने के लिए बहुजन समाज की गैर राजनैतिक जड़ें को मजबूत करना होगा। जिस समाज की गैर राजनैतिक जड़ें मजबूत नहीं होती उस समाज की राजनीति कमी भी कामयाब नहीं होती। गैर राजनैतिक जड़ें की मजबूती हेतु 6743 जातियों में आपसी भाईचारा बनाकर मिशन मूवमेंट के आधार पर कैडर तैयार कर काडर खड़ा करना होगा। एक ओर जहां सामाजिक न्याय, समानता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और बहुजन समाज को राजनीतिक सत्ता में भागीदारी दिलाना आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की मुख्य विचारधारा है और पार्टी की विचारधारा मुख्य रूप से तथागत गौतम बुद्ध, संत कबीर, महात्मा ज्योतिबा फुले, छत्रपति शाहूजी महाराज, डॉ. भीमराव अंबेडकर और मान्यवर कांशीराम के विचारों से प्रेरित है

दीपावली से पहले पटाखा दुकानों पर प्रशासन का शिकंजा

लाइसेंस व अभिलेखों की जांच, सुरक्षा मानकों का पालन करने की सख्त हिदायत

सुलतानपुर। दीपावली पर्व को सकुशल एवं सुरक्षित संपन्न कराने के लिए पुलिस–प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। शुक्रवार को नगर क्षेत्र और बंधुआकलां में पटाखा दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। इस दौरान अधिकारियों ने दुकानदारों के लाइसेंस, जरूरी अभिलेख और सुरक्षा इंतजामों की जांच की।एसडीएम सदर गरिमा सोनकिया और सीओ सिटी राघवेंद्र सिंह के नेतृत्व में अधिकारियों ने पटाखा दुकानों का निरीक्षण कर निर्धारित मानकों का जायजा लिया। टीम ने दुकानदारों को स्पष्ट निर्देश दिए कि पटाखों की बिक्री के दौरान अग्नि सुरक्षा के सभी इंतजाम पुख्ता रखे जाएं और लाइसेंस की शर्तों का पूरी तरह पालन किया जाए। अधिकारियों ने दुकानदारों को हिदायत दी कि दुकान के आसपास किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। निर्धारित स्थान और सुरक्षा मानकों के विपरीत पटाखों की बिक्री पाए जाने पर संबंधित के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से पटाखा कारोबारियों में हड़कंप की स्थिति रही।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

जौनपुर,शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

चौथा टी20 :भारत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टास जीत चुनी गेंदबाजी, भुवनेश्वर और वैभव बाहर



ऑकलैंड ,30 अक्टूबर ,। भारत और न्यूजीलैंड के बीच ईडन पार्क में टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला खेला जा रहा है। भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया है। टॉस जीतने के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, हम पहले गेंदबाजी करेंगे। हम उसी पैटर्न के साथ खेलेंगे और पहली गेंद से ही सकारात्मक रहेंगे। हमने अपनी रणनीति को बेहतर तरीके से लागू किया है। हवा हर जगह हमारा पीछा कर रही है, ठंड बढ़ रही है। हर कोई जोश में है। पिच से बाउंस और सीम मूवमेंट की उम्मीद है। टीम में 2 बदलाव हैं। ईशान किशन को वैभव सूर्यवंशी और मयंक यादव को भुवनेश्वर कुमार की जगह प्लेइंग इलेवन में मौका दिया गया है। न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सेंटनर ने कहा, आज एक और नई शुरुआत है। यहां थोड़ा ज्यादा बाउंस होता है। अच्छी पिच लग रही है। अगर आपको शुरुआत मिलती है, तो आप कैश इन कर सकते हैं। हमने योजना पर बात की है। बैटिंग ग्रुप ने अच्छा किया है। हवा के साथ कैच करना मुश्किल होगा। काइल जैमीसन की जगह नाथन स्मिथ वापस आए हैं।ईशान किशन इंजरी की वजह से पिछले 2 मैचों से बाहर थे। उनकी जगह पिछले 2 मैच वैभव सूर्यवंशी खेले थे। ईशान की वापसी के लिए वैभव को बाहर होना पड़ा है। वहीं, पिछले तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन करने वाले भुवनेश्वर कुमार भी प्लेइंग इलेवन से बाहर हो गए हैं।भारतीय टीम शुरुआती तीनों मैच जीतकर सीरीज में 3–0 की अजेय बढ़त बना चुकी है। इस मैच में भी टीम इंडिया अपनी जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी। वहीं, न्यूजीलैंड सीरीज में अपनी पहली जीत की तलाश में है।भारत की प्लेइंग इलेवनरू अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, नमन धीर, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, मयंक यादव, प्रिंस यादव।न्यूजीलैंड की प्लेइंग इलेवनरू फिन एलन, टिम सीफर्ट (विकेटकीपर), डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, बेवन जैकब्स, माइकल ब्रेसवेल, मिशेल सेंटनर (कप्तान), नाथन स्मिथ, एडम मिल्ने, जैकब डफी, मैथ्यू फिशर।

प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड वनडे सीरीज से बाहर, सिराज और नीतीश रेड्डी को लेकर भी बड़ी खबर



मुंबई ,30 अक्टूबर ,। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा न्यूजीलैंड के खिलाफ 4 नवंबर से शुरू हो रही 5 वनडे मैचों की सीरीज से बाहर हो गए हैं। वह बाएं हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं। प्रसिद्ध को गुवाहाटी में वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे के दौरान चोट लगी थी और न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में उनका खेलना फिटनेस क्लीयरेंस पर ही निर्भर था। बीसीसीआई ने शुक्रवार को बताया कि कृष्णा न्यूजीलैंड ए के खिलाफ आखिरी चार दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीम में शामिल होंगे। हालांकि, उनका खेलना उनकी फिटनेस पर निर्भर होगा। बोर्ड ने अपने बयान में कहा, दाएं हाथ के पेसर, जो हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर रहे हैं उन्हें मैचों के लिए तैयार होने के लिए अतिरिक्त समय की आवश्यकता होगी। प्रसिद्ध न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी चार–दिन के मैच के लिए इंडिया ए टीम में शामिल होंगे। बशर्ते, वह रिटर्न टू प्ले (आरटीपी) जांच पास कर लें। इससे उन्हें मैच अभ्यास करने और दो–टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारी का मौका मिलेगा।ऑल–राउंडर नीतीश कुमार रेड्डी, जिन्हें पहले पूरी वनडे सीरीज के लिए चुना गया था, अब सिर्फ पहले वनडे में खेलेंगे और फिर 6 नवंबर से शुरू होने वाले तीसरे अनाधिकारिक टेस्ट के लिए ए टीम से जुड़ेंगे।बोर्ड ने कहा, नीतीश कुमार रेड्डी 4 नवंबर को न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाले पहले वनडे के लिए उपलब्ध होंगे। इसके बाद वह न्यूजीलैंड ए के खिलाफ तीसरे और आखिरी चार–दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीम से जुड़ेंगे।इस फैसले से नीतीश को 19 नवंबर से न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज से पहले मैच अभ्यास का मौका मिलेगा।दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज 31 अक्टूबर से क्राइस्टचर्च में हेगले ओवल में न्यूजीलैंड ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार–दिवसीय मैच के लिए इंडिया ए टीम से जुड़ेंगे।न्यूजीलैंड ए के खिलाफ दूसरे चार दिन के मैच के लिए इंडिया ए की अपडेटेड टीमरू यशस्वी जायसवाल, साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल, यश राठौड़, आर. स्मरण, ध्रुव जुरेल (कप्तानध विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, शिखर मोहन, मुकेश चौधरी, मुकेश कुमार, मानव सुथार, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर)।पहले तीन वनडे मैचों के लिए भारत की अपडेटेड टीमरू शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, नमन धीर, अंशुल कंबोज, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, ईशान किशन (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी (सिर्फ पहले वनडे के लिए)।चौथे और पांचवें वनडे के लिए भारत की टीमरू श्रेयस अय्यर (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ईशान किशन (विकेटकीपरध उपकप्तान), अक्षर पटेल, नमन धीर, औकिब नबी, गुरनूर बरार, ऋतुराज गायकवाड़, अर्शदीप सिंह, कुमार कुशाग्र (विकेटकीपर), मोहम्मद सिराज, यश ठाकुर, कुलदीप यादव।

राबिन उथप्पा बने मुंबई इंडियंस के बैटिंग कोच, फ्रेंचाइजी ने दी जानकारी

मुंबई ,30 अक्टूबर ,। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब पांच बार जीत चुकी मुंबई इंडियंस (एमआई) ने रॉबिन उथप्पा को आईपीएल 2027 से पहले अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। एमआई ने अपने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है। एमआई ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर रॉबिन उथप्पा का स्वागत करते हुए लिखा, हमारे पहले सीजन का हिस्सा बनने से लेकर ढेर सारे अनुभव के साथ लौटने तक। रॉबी खेल की गहरी समझ, बेहतरीन संवाद और युवाओं का मार्गदर्शन करने में स्पष्टता लाते हैं। पलटन में आपका स्वागत है, रॉबिन। आपका नया बैटिंग कोच। 11 नवंबर को 41 साल के होने जा रहे रॉबिन उथप्पा ने भारत के लिए 46 वनडे और 13 टी20 मैच खेले हैं। उथप्पा 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं।रॉबिन के पास आईपीएल का लंबा अनुभव है और वह लीग के सफल बल्लेबाजों में से एक रहे हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकआर) को 2014 में चौंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले रॉबिन 2021 में लीग जीतने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सदस्य रहे थे।2008 से 2022 के बीच रॉबिन उथप्पा ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, पुणे वॉरियर्स इंडिया, केकेआर, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए खेले हैं। कुल 205 मैचों की 197 पारियों में इस आक्रामक बल्लेबाज ने 27 अर्धशतक लगाते हुए 4,952 रन बनाए थे।रॉबिन ने बेशक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और आईपीएल को अलविदा कह दिया है, लेकिन टी10 लीग में वे अब भी सक्रिय हैं। उनकी बल्लेबाजी का अंदाज बेहद आक्रामक रहा है। एमआई पिछले कुछ सीजन में अपनी बल्लेबाजी की कमियों से जूझ रही है। ऐसे में रॉबिन, जो की आईपीएल का व्यापक अनुभव रखते हैं, एमआई की बल्लेबाजी में गहराई और आक्रामकता लाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। बतौर कोच आईपीएल में रॉबिन का यह पहला असाइनमेंट है।



मुंबई इंडियंस ने कोचिंग सेटअप को दिया नया लुक, पोलार्ड के बाद उथप्पा, मैक्लेनेघन, दिलीप और कुलकर्णी की एंट्री



मुंबई ,30 अक्टूबर ,। मुंबई इंडियंस (एमआई) ने शुक्रवार को आईपीएल 2027 के लिए रॉबिन उथप्पा को बैटिंग कोच, मिशेल मैक्लेनेघन को गेंदबाजी कोच, टी. दिलीप को फील्डिंग कोच और धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है। रॉबिन उथप्पा, मिशेल मैक्लेनेघन और धवल कुलकर्णी पूर्व में मुंबई इंडियंस के लिए लंबे समय तक खेल चुके हैं। मिशेल मैक्लेनेघन का गेंदबाजी कोच के रूप में स्वागत करते हुए एमआई ने एक्स पर लिखा, हमें मिच वापस मिल गया। एक फैन फेवरेट जिसने अपनी एमआई का बैज पहना और एमआई स्पिरिट को दिखाया। घर में स्वागत है, मिशेल मैक्लेनाघन।

न्यूजीलैंड के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिशेल मैक्लेनेघन ने 2015 से 2019 तक 56 मैच खेले, जिसमें 71 विकेट हासिल किए। इस दौरान एमआई 2015, 2017 और 2019 में विजेता रही थी।

एमआई ने भारतीय टीम के पूर्व फील्डिंग कोच टी. दिलीप को अपना फील्डिंग कोच बनाया है। टी. दिलीप भारत के सफलतम फील्डिंग कोच रहे हैं।

दिलीप का स्वागत करते हुए एमआई ने एक्स पर लिखा, भारत के साथ तीन आईसीसी खिताब से लेकर मेडल सेरेमनी के यादगार पलों तक, टी. दिलीप ने अपनी ऊर्जा और पैशन से फैंस का दिल जीता है। अब, वह हमारे फील्डिंग कोच के तौर पर पलटन में भी वही जोश लाते हैं।

एमआई ने पूर्व तेज गेंदबाज धवल कुलकर्णी को डेवलपमेंट गेंदबाजी कोच नियुक्त किया है।

एक्स पर कुलकर्णी का स्वागत करते हुए एमआई ने लिखा, मुंबई के अपने, घरेलू टीम के दिग्गज, और अब हमारे डेवलपमेंट बॉलिंग कोच। वापसी पर स्वागत है, धवल कुलकर्णी।

धवल कुलकर्णी 2007 से 2013 और 2020 से 2021 तक एमआई का हिस्सा रह चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 35 मैचों में 36 विकेट लिए। इसके अलावा, वह गुजरात लायंस और राजस्थान रॉयल्स के लिए भी खेल चुके हैं।

एमआई ने पूर्व भारतीय बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा को अपना बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया है। वह 2007 में टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के सदस्य रहे हैं। रॉबिन ने 2008 में अपने आईपीएल करियर का आगाज एमआई से ही किया था। वह आईपीएल के सफलतम बल्लेबाजों में से एक हैं। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकआर) को 2014 में चौंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाने वाले रॉबिन 2021 में लीग जीतने वाली चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) के सदस्य रहे थे।

2008 से 2022 के बीच रॉबिन उथप्पा ने मुंबई इंडियंस, रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु, पुणे वॉरियर्स इंडिया, केकेआर, राजस्थान रॉयल्स और सीएसके के लिए खेले हैं। कुल 205 मैचों की 197 पारियों में इस आक्रामक बल्लेबाज ने 27 अर्धशतक लगाते हुए 4,952 रन बनाए थे।

मिशेल मैक्लेनेघन, टी. दिलीप, धवल कुलकर्णी और रॉबिन उथप्पा की नियुक्ति के साथ ही आईपीएल 2027 के लिए मुंबई इंडियंस का कोचिंग सेटअप पूरा हो गया है, जो पूरी तरह नया है। बता दें कि एमआई ने कुछ समय पहले ही कीरोन पोलार्ड को हेड कोच के रूप में नियुक्त किया था। पोलार्ड एमआई के साथ 2010 से 2022 तक खिलाड़ी और उसके बाद 2026 तक बैटिंग कोच के रूप में जुड़े रहे।

00

PAN और Aadhaar विवरण लीक होने की आशंका, AU Small Finance Bank ने बैठाई जांच



एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक सेल्सफोर्स के बाहरी सॉफ्टवेयर मंच से जुड़े संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है। हैकर समूह स्कारलेटग्रुप ने ग्राहकों के पैन, आधार और ऋण संबंधी विवरण में सेंध लगाने का दावा किया है। वहीं बैंक ने कहा है कि उसके आंतरिक सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित हैं।बैंक ग्राहकों के निजी डेटा की सुरक्षा को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। अब एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने अपने वाहन ऋण लेने वाले ग्राहकों से जुड़ी कुछ जानकारियों के संभावित लीक होने की जांच शुरू की है। बैंक ने 30 अक्टूबर को मनीकंट्रोल को बताया कि यह मामला सेल्सफोर्स के एक बाहरी सॉफ्टवेयर मंच से जुड़ा है। हालांकि, बैंक का दावा है कि उसके अपने सिस्टम पर इसका कोई असर नहीं पड़ा है और सभी बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चल रही हैं।यह मामला तब सामने आया, जब स्कारलेटग्रुप नाम के एक हैकर समूह ने दावा किया कि उसने बैंक के सिस्टम में सेंध लगाई है। समूह ने ग्राहकों की संवेदनशील जानकारियों और बैंक के आंतरिक दस्तावेजों को सार्वजनिक करने की धमकी भी दी थी। इसके बाद साइबर सुरक्षा पर नजर रखने वाले मंच हैकमैनैक ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर कथित रूप से लीक हुए डेटा के बारे में जानकारी दी।

हैकमैनैक के अनुसार, लीक हुए डेटा में ग्राहकों के रिकॉर्ड, पैन और आधार से जुड़ी जानकारी, बैंक खाते के विवरण, क्रेडिट रिपोर्ट और ऋण समझौते शामिल हो सकते हैं। इसके अलावा, बैंक के ग्राहक प्रबंधन से जुड़े रिकॉर्ड, कर्मचारियों की जानकारी, लॉगिन का इतिहास और जांच से जुड़े दस्तावेज भी इस डेटा में होने का दावा किया गया है। हालांकि, इन सभी जानकारियों के लीक होने की बैंक की ओर से स्वतंत्र पुष्टि नहीं की गई है।

मनीकंट्रोल के सवालों पर बैंक के प्रवक्ता ने बताया कि वह सेल्सफोर्स द्वारा संचालित और उपलब्ध कराए जाने वाले सॉफ्टवेयर सेवा मंच से जुड़े संभावित डेटा लीक की जांच कर रहा है। इस मंच पर वाहन ऋण ग्राहकों से संबंधित सीमित जानकारी मौजूद है। बैंक ने साफ किया कि उसके आंतरिक सिस्टम सुरक्षित हैं और ग्राहकों की बैंकिंग सेवाओं पर कोई असर नहीं पड़ा है।फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि इस घटना से कितने ग्राहक प्रभावित हुए हैं। बैंक ने प्रभावित ग्राहकों की संख्या या उन्हें इस बारे में कोई सूचना दिए जाने को लेकर भी जानकारी नहीं दी है। बता दें कि बैंक की वित्त वर्ष 2026 की वार्षिक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च 2026 के अंत तक उसके कुल विशिष्ट ग्राहकों की संख्या 1.22 करोड़ थी। बैंक ने अपनी रिपोर्ट में डिजिटल सेवाओं, आंकड़ों के बेहतर इस्तेमाल, क्लाउड तकनीक और साइबर सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में किए गए काम का भी जिक्र किया था।

इस खबर का असर शेयर बाजार में भी देखने को मिला। 30 अक्टूबर को दोपहर 1रू27 बजे एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर एनएसई पर 865.7 रुपये पर कारोबार कर रहा था। यह पिछले कारोबारी दिन के बंद भाव से 1.7ः नीचे था। हालांकि, शेयर में आई गिरावट का सीधा कारण डेटा लीक की खबर ही है,

सरकारी खर्च बढ़ने से केंद्र का Fiscal Deficit पहली छमाही में 7.14 लाख करोड़ रुपये पहुंचा

वित्त वर्ष 2026–27 की पहली छमाही में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 7.14 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया है। यह आंकड़ा पूरे वित्त वर्ष के बजटीय लक्ष्य का 42.1 प्रतिशत है। सरकारी खर्च, पूंजीगत व्यय और खाद्य व उर्वरक सब्सिडी में तेज बढ़ोतरी के चलते यह वृद्धि दर्ज की गई है।



सरकार की कमाई और खर्च के बीच बढ़ता अंतर एक बार फिर चर्चा में है। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में केंद्र सरकार का राजकोषीय घाटा पिछले साल के मुकाबले करीब 25 फीसदी बढ़ गया है। इसकी मुख्य वजह सरकारी खर्च में तेज बढ़ोतरी और गैर–कर्ज वाली आय की अपेक्षाकृत धीमी रफ्तार रही है। 30 अक्टूबर को जारी सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल से सितंबर 2026 के बीच राजकोषीय घाटा बढ़कर 7.14 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह पूरे वित्त वर्ष 2026–27 के लिए तय लक्ष्य का 42.1 फीसदी है। पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 36.5 फीसदी था।सरकार ने वित्त वर्ष 2026–27 के लिए कुल 16.96 लाख करोड़ रुपये का राजकोषीय घाटा रहने का अनुमान रखा है। राजकोषीय घाटा तब होता है, जब सरकार की कुल कमाई उसके खर्च से कम पड़ जाती है। इस कमी को पूरा करने के लिए सरकार को कर्ज लेना पड़ता है। ऐसे में घाटे का बढ़ना सरकार की उधारी और वित्तीय स्थिति पर दबाव बढ़ा सकता है।आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल से सितंबर के दौरान केंद्र सरकार का कुल खर्च पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 10.7 फीसदी बढ़ा है। वहीं, कर्ज को छोड़कर मिलने वाली सरकारी आय में सिर्फ 6.1 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। खर्च और कमाई की रफ्तार में यही अंतर घाटा बढ़ने की बड़ी वजह बना है।इस दौरान सरकार ने विकास से जुड़े कामों पर खर्च भी बढ़ाया है। सड़क, रेलवे, बुनियादी ढांचे और दूसरी सरकारी परियोजनाओं पर होने वाले पूंजीगत खर्च में 12.7 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। अप्रैल से सितंबर के बीच यह खर्च बढ़कर 6.55 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। सरकार ने पूरे वित्त वर्ष के लिए पूंजीगत खर्च का लक्ष्य 12.22 लाख करोड़ रुपये रखा है। इसमें से अब तक 53.6 फीसदी राशि खर्च की जा चुकी है। पिछले साल इसी अवधि में यह आंकड़ा 51.8 फीसदी था।सरकार को मिलने वाली कुल राजस्व आय 3.6 फीसदी बढ़कर 17.57 लाख करोड़ रुपये रही। इसमें करों से मिलने वाली शुद्ध आय 3.8 फीसदी बढ़कर 12.76 लाख करोड़ रुपये हो गई। वहीं, गैर–कर आय 3.1 फीसदी बढ़कर 4.81 लाख करोड़ रुपये रही। खास बात यह है कि गैर–कर आय पूरे साल के तय लक्ष्य का 72.2 फीसदी पहले ही हासिल कर चुकी है।गौरतलब है कि सरकार को विनिवेश और दूसरी संपत्तियों की बिक्री से भी आय होती है। इस मद में अप्रैल–सितंबर के दौरान 62,159 करोड़ रुपये मिले, जो पूरे साल के लक्ष्य का 77.7 फीसदी है। कर्ज के अलावा मिलने वाली कुल पूंजीगत आय 34,770 करोड़ रुपये से बढ़कर 78,602 करोड़ रुपये हो गई। अगर आईडीबीआई बैंक की प्रस्तावित बिक्री इसी वित्त वर्ष में पूरी हो जाती है, तो सरकार को विनिवेश से तय लक्ष्य से अधिक कमाई होने की उम्मीद है।दूसरी ओर, सरकार पर खाद्य और उर्वरक सब्सिडी का खर्च भी बढ़ा है। अप्रैल से सितंबर के बीच प्रमुख सब्सिडी पर कुल खर्च 10.1 फीसदी बढ़कर 2.23 लाख करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में यह 2.02 लाख करोड़ रुपये था। खाद्य सब्सिडी 16 फीसदी बढ़कर 1.03 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई, जबकि एक साल पहले यह 88,375 करोड़ रुपये थी।उर्वरक सब्सिडी पर कुल खर्च 11.2 फीसदी बढ़कर 1.19 लाख करोड़ रुपये रहा। इसमें यूरिया सब्सिडी पर 85,586 करोड़ रुपये खर्च हुए, जो पूरे साल के बजट का 73 फीसदी है। पोषक तत्व आधारित उर्वरक सब्सिडी पर 33,664 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो तय बजट का 62 फीसदी है।मौजूद जानकारी के अनुसार, सरकार ने पहली छमाही में 4.11 लाख करोड़ रुपये के कुल सब्सिडी बजट का 54 फीसदी इस्तेमाल कर लिया है। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह आंकड़ा 53 फीसदी था। आने वाले महीनों में सरकारी खर्च, करों से होने वाली कमाई और विनिवेश से मिलने वाली रकम पर नजर रहेगी, क्योंकि इन्हीं के आधार पर पूरे साल के घाटे का लक्ष्य हासिल करने की स्थिति तय होगी।

महाराष्ट्र के 91 लाख से अधिक किसानों को मिली 1,835 करोड़ रुपये की 24वीं किस्त

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पीएम–किसान सम्मान निधि के तहत महाराष्ट्र के 91.12 लाख से अधिक किसानों के खातों में 1,835 करोड़ रुपये सीधे ट्रांसफर किए। गुजरात के बनासकांठा से आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने मुंबई से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शिरकत की। प्रधानमंत्री ने बताया कि देश के 85 प्रतिशत से ज्यादा छोटे किसानों को अब तक करीब चार लाख करोड़ रुपये की मदद दी जा चुकी है।प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को पीएम–किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त के तहत महाराष्ट्र के 91,12,765 किसानों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। राज्य सरकार के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने दक्षिण मुंबई स्थित अपने आधिकारिक आवास वर्षा से वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये गुजरात के बनासकांठा में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लिया।इसी कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने किसानों के खातों में राशि हस्तांतरित की। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश के 85 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे किसान हैं और पीएम–किसान योजना के तहत अब तक उनके बैंक खातों में करीब चार लाख करोड़ रुपये सीधे अंतरित किए जा चुके हैं। मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार की विभिन्न नीतियों के जरिये किसानों को पिछले कुछ वर्षों में 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है या उनकी इतनी बचत हुई है।उन्होंने कहा कि वैश्विक बाजार में उर्वरकों की कीमतें बढ़ने के बावजूद उन्हें किसानों के लिए किफायती बनाए रखने पर सरकार ने करीब 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए, जिससे इसका अतिरिक्त बोझ किसानों पर नहीं पड़ा। मोदी ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व्यवस्था के तहत गेहूं और धान किसानों को 24 लाख करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत पिछले एक दशक में किसानों को दो लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुआवजा दिया गया है।उन्होंने कहा कि पीएम–कुसुम योजना के तहत सिंचाई की लागत कम करने के लिए किसानों को करीब 12 लाख सौर पंप उपलब्ध कराए गए हैं।



मुसाफिर कैफे वाली वेदिका पिंटो के हाथ लगी प्रोसित राय की फिल्म, लक्ष्य संग जमेगी जोड़ी

नेटफ्लिक्स की सीरीज मुसाफिर कैफे (जुलाई, 2026) में नजर आईं वेदिका पिंटो के हाथ एक बड़ी फिल्म लगी है। खबर है कि फिल्म निर्देशक प्रोसित रॉय की अगली मनोवैज्ञानिक थ्रिलर में वह मुख्य किरदार निभाएंगी, जिसमें लक्ष्य की पुष्टि पहले से हो चुकी है। फिल्म का शीर्षक अब तक तय नहीं हुआ है, लेकिन इसे एक अनूठी मनोवैज्ञानिक प्रेम कहानी बताया जा रहा है। लक्ष्य और वेदिका के रूप में दर्शकों को जल्द ही एक नई जोड़ी दिखाई देगी।

एक सूत्र ने कहा, वेदिका इस किरदार के लिए सबसे उपयुक्त हैं। इस भूमिका के लिए ऐसी अभिनेत्री की जरूरत है जो इसमें ताजगी और तीव्रता ला सके, और वह इस किरदार में बखूबी फिट बैठती हैं। प्रोसित को लक्ष्य के साथ जिस तरह की ऊर्जा चाहिए थी, उसके बारे में वे स्पष्ट थे, और वेदिका इसके लिए एकदम सही विकल्प साबित हुईं। उनकी जोड़ी बिल्कुल नई है, और निर्माता इसी बात को लेकर उत्साहित हैं।

सूत्र ने आगे कहा, फिल्म निर्माता इस परियोजना को इस साल के अंत में निर्माण कार्य में लाने की दिशा में काम कर रहे हैं। फिल्म 2027 में रिलीज होने की योजना है।

बताया जा रहा है कि फिल्म में प्रेम–कहानी के मनोवैज्ञानिक पहलुओं को गहराई से दिखाया जाएगा। एक पारंपरिक प्रेम–कहानी के विपरीत, यह फिल्म अपने मनोवैज्ञानिक तत्वों से रोमांस में एक नया आयाम जोड़ेगी।

मुसाफिर कैफे की सफलता के बाद, वेदिका के बिल्कुल अलग किरदार की उम्मीद है।

बाक्स आफिस पर जेलर 2 की धूम, 415 करोड़ रुपये के पार पहुंची कमाई, श्उड़ता तीर की रफ्तार धीमी

दक्षिण भारतीय सिनेमा के सुपरस्टार रजनीकांत की फिल्म श्जेलर 2य इन दिनों सिनेमाघरों में अच्छा प्रदर्शन कर रही है। कामकाजी दिनों में भी फिल्म को दर्शक मिल रहे हैं और इसकी कमाई लगातार चर्चा में बनी हुई है। दूसरी ओर, अभिनेता आयुष्मान खुराना की फिल्म श्उड़ता तीर्य की कमाई में गिरावट देखने को मिल रही है। दोनों फिल्मों के बॉक्स ऑफिस आंकड़ों में अंतर साफ नजर आ रहा है।

बॉक्स ऑफिस आंकड़ों से जुड़ी वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, श्जेलर 2य ने रिलीज के 13वें दिन यानी मंगलवार को 7.50 करोड़ रुपये की कमाई की। इसके साथ ही फिल्म का घरेलू शुद्ध कारोबार बढ़कर 415. 65 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, फिल्म का दुनिया भर में कुल सकल कारोबार 744 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है।

फिल्म ने हिंदी भाषी क्षेत्रों में सीमित सिनेमाघरों में प्रदर्शन के बावजूद अच्छा कारोबार किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, कमाई के मामले में इसने श्2.0य, श्कुलीय और श्लियोय जैसी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। इसके साथ ही इसे तमिल सिनेमा की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल बताया जा रहा है।

रिपोर्ट में अजय देवगन की श्दृश्यम 3य के 371 करोड़ रुपये और श्हनुमान अंशय के 341 करोड़ रुपये के कारोबार का भी उल्लेख किया गया है। इन आंकड़ों के आधार पर श्जेलर 2य की कमाई को लेकर फिल्म जगत में काफी चर्चा है।

वहीं, आयुष्मान खुराना अभिनीत श्उड़ता तीस्य बॉक्स ऑफिस पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रही है। सैकनिल्क के मुताबिक, फिल्म ने रिलीज के पांचवें दिन 3.10 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इससे एक दिन पहले चौथे दिन इसकी कमाई 3.20 करोड़ रुपये रही थी। इस तरह कामकाजी दिनों में फिल्म की दैनिक कमाई में गिरावट दर्ज की गई है।

रिलीज के पांच दिनों में फिल्म का घरेलू शुद्ध कारोबार कुल 25.85 करोड़ रुपये हो गया है। वहीं, विदेशों में पांचवें दिन फिल्म ने एक करोड़ रुपये कमाए, जिससे इसका कुल विदेशी कारोबार 7.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गया।

पूजा हेगड़े का रेड हाट अवतार हुआ वायरल, इंडो-वेस्टर्न लुक में दिखीं बेहद ग्लैमरस



बॉलीवुड और साउथ सिनेमा की गॉर्जियस एक्ट्रेस पूजा हेगड़े एक बार फिर अपने फैशनेबल और ग्लैमरस अवतार को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें उनका लुक देखते ही बन रहा है।

तस्वीरों में पूजा हेगड़े ब्राइट रेड कलर का बेहद अट्रैक्टिव इंडो–वेस्टर्न फ्यूजन एंसेंबल पहने नजर आ रही हैं। उनकी यह ड्रेस एक प्री–ड्रैप्ड साड़ी और पेपलम स्टाइल कांबिनेशन का बेहतरीन मेल है। आउटफिट पर बारीक मिरर वर्क, सेक्विन और गोल्डन एम्ब्रॉयडरी का काम किया गया है।

ट्रेडिशनल टच के साथ–साथ इसमें एक मॉडर्न ट्विस्ट भी दिया गया है। स्ट्रैपलेस कॉर्सेट–स्टाइल ब्लाउज और बैक पर बनी क्रॉस–डिटेलिंग पूजा हेगड़े के पूरे लुक को बोल्ड और एलिगेंट बना रही है।

अपने इस गॉर्जियस रेड आउटफिट को कम्प्लीट करने के लिए पूजा ने ज्वेलरी को बेहद मिनिमल रखा है। उन्होंने हैवी गोल्ड और स्टोन–स्टडेड डैंगलर इयररिंग्स चुने हैं, जो उनके एथनिक टच को और बढ़ा रहे हैं।

हेयर स्टाइलिंग की बात करें तो, उन्होंने अपने शॉर्ट हेयर को सॉफ्ट वेव्स के साथ ओपन रखा है। वहीं, न्यूड लिपकलर, सॉफ्ट स्मोकी आइज और हाइलाइटेड चीकबोन्स के साथ उनका सटल मेकअप उनके फेशियल एक्सप्रेशन को और उभार रहा है।

रॉयल बैकड्रॉप और क्लासिक इंटीरियर के बीच खिंचवाई गई इन तस्वीरों में पूजा के बोल्ड और ग्रेसफुल पोज फैंस का ध्यान खींच रहे हैं। कभी सीढ़ियों के पास तो कभी विंटेज डोर के सहारे पोज देते हुए पूजा का कॉन्फिडेंस और एक्सप्रेशन पूरी तरह से ऑन–पॉइंट नजर आ रहा है।

हुंकार-द रोर का दमदार टीजर जारी, सैयारा के बाद अनीत पड्डा ने दिखाया नया अवतार



सैयारा की वाणी यानी अनीत पड्डा अब एक नए और बिलकुल अलग अवतार में नजर आने वाली हैं। अनीत नई ड्रामा सीरीज हुंकाररू द रोर में नजर आने वाली हैं जिसका टीजर जारी किया जा चुका है। यह सीरीज एक ऐसे आरोप के इर्द–गिर्द घूमती है जो एक ताकतवर सिस्टम को सवालों के घेरे में लाकर खड़ा कर देता है। कहानी 17 साल की मीनू रावत के इर्द–गिर्द घूमती है, जिसका किरदार अनीत पड्डा निभा रही हैं। मीनू बापजी के नाम से मशहूर जाने–माने कल्ट लीडर सुनील चाकोसी पर एक आरोप लगाती है, जिसके बाद बापजी के खिलाफ बड़ी जांच शुरू हो जाती है। टीजर से साफ है कि एक आरोप से शुरू होने वाली कहानी जल्दी ही एक बड़ी लड़ाई में बदल जाती है और मामला पुलिस के बाद कोर्ट और मीडिया तक पहुंचता है और सबका ध्यान अपनी ओर खींच लेता है।

हुंकार के टीजर में तीन मुख्य किरदार देखने को मिलती हैं और तीनों किरदार एक ही लड़ाई को अलग–अलग तरीके से लड़ रहे हैं। एसीपी जसलीन सिंह सोनी पुलिस की तरफ से यह केस की कमान संभालती है, जबकि पत्रकार अमिताभ मीडिया के जरिए इस कहानी को कवर करते हैं। इस सीरीज में पुलिस की जांच से लेकर कोर्टरूम ड्रामा और मीडिया ट्रायल तक सब देखने को मिलेगा और जैसे–जैसे मामला आगे बढ़ता है, राष्ट्रीय स्तर पर ये केस चर्चा का विषय बन जाता है।इंस्टाग्राम पर टीजर शेयर करते हुए, अनीत पड्डा ने अपने फैंस को इस सीरीज के बारे में जानकारी दी और साथ ही ये भी बताया कि इसकी शूटिंग सैयारा से पहले ही हो गई थी। टीजर शेयर करते हुए कैप्शन में अनीत ने लिखा– पेश है एक छोटी सी चीज जिसकी शूटिंग मैंने सैयारा से पहले की थी। हुंकार कुछ समय से मेरे सफर का हिस्सा रही है, और मुझे खुशी है कि आखिरकार मैं इसे आप सभी के साथ शेयर कर रही हूं। अब इंसाफ का इंतजार नहीं होगा, बस सच्चाई की हुंकार गूंजेगी। हॉटस्टार स्पेशलरू हुंकार द रोर, 25 सितंबर से सिर्फ जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी।हुंकाररू द रोर का निर्देशन करण डी कपाड़िया, नित्या मेहरा और हीराज मरफातिया ने किया है। इस सीरीज में अनीत पड्डा के साथ फातिमा शेख, अर्जुन माथुर, मोहम्मद जीशान अय्यूब, रघुबीर यादव और राम कपूर जैसे कलाकार शामिल हैं। हुंकाररू द रोर का प्रीमियर 25 सितंबर को जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम होगी। अनीत पड्डा की बात करें तो वह शक्ति शालिनी मेंभी नजर आएंगी, जिसके सेट से पिछले दिनों अनीत के वीडियोज भी सामने आए थे। इन वीडियोज में अनीत स्कूल गर्ल वाले लुक में दिखाई दी थीं।



अक्षय ओबेराय की फिल्म लव लाटरी का पहला पोस्टर आया, रिलीज तारीख का भी ऐलान

अक्षय ओबेरॉय अपनी कई फिल्मों के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार हैं। एक ओर उन्हें सुपरस्टार यश की फिल्म टॉक्सिक में खलनायक टोनी बनकर तहलका मचाते हुए दिखाई देंगे। वहीं शाहरुख खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किंग में उन्हें एक महत्वपूर्ण किरदार निभाते देखा जाएगा। इस बीच, अक्षय की एक और फिल्म लव लॉटरी की आधिकारिक रिलीज तारीख का ऐलान हो गया है। साथ में पहला पोस्टर भी जारी कर दिया गया है।लव लॉटरी एक कोर्टरूम ड्रामा, मर्डर मिस्ट्री और सस्पेंस थ्रिलर का मिश्रण है, जिसका निर्देशन अरविंद पांडे ने किया है, जबकि निर्माता कुलदीप भार्गव उर्फ तुषार हैं।

रामायण: भाग 2 की रिलीज में बदलाव की चर्चा, स्पिरिट से टकराव टालने की चर्चा



अभिनेता रणबीर कपूर की बहुप्रतीक्षित पौराणिक महाकाव्य फिल्म श्रामायणय के पहले भाग की रिलीज का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। निर्माताओं ने पहले घोषणा की थी कि फिल्म का पहला भाग दिवाली के अवसर पर प्रदर्शित किया जाएगा, जबकि दूसरा भाग दिवाली 2027 में सिनेमाघरों में आएगा। हालांकि, अब चर्चा है कि श्रामायणरू भाग 2य की रिलीज को एक साल आगे बढ़ाकर 2028 तक टाला जा सकता है। बताया जा रहा है कि इसके पीछे निर्माण कार्य में लगने वाला अतिरिक्त समय और अभिनेता प्रभास की फिल्म श्स्पिरिट्य से संभावित टकराव से बचने की रणनीति हो सकती है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी तक इन खबरों की पुष्टि नहीं की है।

हाल ही में अमेरिका के लॉस एंजिल्स स्थित एकेडमी म्यूजियम ऑफ मोशन पिक्चर्स में फिल्म श्रामायणय का प्रदर्शन आयोजित किया गया था। इस कार्यक्रम के बाद फिल्म के दूसरे भाग की रिलीज को लेकर चर्चाएं और तेज हो गईं।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, कार्यक्रम में शामिल हुए फिल्म समीक्षक श्ज्चक्रड्डद्वड्डह्यस्ह्मद्गद्गठ्ठय ने कथित तौर पर श्रामायणरू भाग 2य की रिलीज 2028 में होने का संकेत दिया। दरअसल, सामाजिक माध्यम श्एक्स्य पर एक प्रशंसक ने उनसे सवाल पूछा था कि फिल्म का दूसरा भाग 2027 में प्रदर्शित होगा या उसकी रिलीज 2028 तक टाल दी गई है। इस सवाल के जवाब में समीक्षक ने केवल श्2028य लिखा। इसके बाद से फिल्म की रिलीज में देरी की अटकलों को और बल मिला है।

हिन्दी दैनिक

जन विचार प्रवाह

जौनपुर

जौनपुर,शनिवार 31 अक्टूबर, 2026

महिला भारत केसरी बनीं कशिश यादव दिल्ली की पहलवान को दी पटखनी



जौनपुर। जफराबाद थाना क्षेत्र के जमैथा गांव की होनहार पहलवान कशिश यादव उर्फ खुशी यादव ने राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए महिला भारत केसरी का खिताब जीत कर देश मे जौनपुर का नाम कर दिखाया। मिर्जापुर जनपद के कछवां में 27 और 28 अक्टूबर को आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कुश्ती दंगल प्रतियोगिता में कशिश ने दिल्ली की पहलवान मान्या को पराजित कर यह गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की।कशिश यादव जमैथा गांव निवासी पूर्व यूपी केसरी एवं पूर्व ब्लॉक प्रमुख सिरकोनी समाजीत यादव उर्फ कल्लू पहलवान की पौत्री तथा विनोद यादव उर्फ पप्पू यादव की पुत्री हैं। कुश्ती उन्हें विरासत में मिली है। अपने दादा की पहलवानी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए कशिश ने कड़ी मेहनत और शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत केसरी का खिताब हासिल किया है।गौरतलब है कि कशिश पिछले तीन वर्षों से लगातार महिला यूपी केसरी का खिताब जीतती चली आ रही हैं। वर्तमान में वह वाराणसी स्थित अपने आवास पर गुरुजनों के मार्गदर्शन में कुश्ती का अभ्यास कर रही थीं। राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली की पहलवान को हराकर उन्होंने अपनी प्रतिभा और मजबूत इरादों का परिचय दिया।कशिश के भारत केसरी बनने की खबर मिलते ही जमैथा गांव से लेकर वाराणसी तक खुशी की लहर दौड़ गई। उनके पैतृक गांव और वाराणसी आवास पर पहुंचकर बड़ी संख्या में लोगों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।कुश्ती संघ के जिलाध्यक्ष केशरी सिंह ने कशिश यादव को इस शानदार उपलब्धि पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि कशिश अपनी मेहनत और लगन से लगातार जिले, प्रदेश और देश का नाम रोशन करें यही कामना है। उन्होंने बताया कि जल्द ही जिले में एक समारोह आयोजित कर कशिश को सम्मानित किया जायेगा ।

ज्ञान प्रकाश सिंह की श्रीराम कथा में बना अद्भुत विश्व रिकार्ड, 11 करोड़ एक बार लिखा गया राम नाम

जो इन्डिया बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड और एशिया बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड मे दर्ज



जौनपुर। धर्म, आस्था और भक्ति के संगम के रूप में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा ने जौनपुर को एक नई पहचान दिलाई है। बीआरपी इंटर कॉलेज के मैदान में वरिष्ठ भाजपा नेता, उद्योगपति एवं समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह के नेतृत्व में आयोजित इस भव्य धार्मिक आयोजन में राम भक्तों ने 11 करोड़ एक बार राम नाम का लेखन कर अनूठी उपलब्धि हासिल की। इस रिकॉर्ड को इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज किया गया। इस उपलब्धि से जौनपुर सहित पूरे पूर्वांचल में उत्साह और गौरव का माहौल है।

श्रीराम कथा के दौरान प्रख्यात कथावाचक आचार्य शांतनु जी महाराज के निर्देश और प्रेरणा से राम भक्तों ने राम नाम लेखन अभियान में उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवान श्रीराम के प्रति श्रद्धा और अटूट आस्था का परिचय देते हुए भक्तों ने सामूहिक रूप से 11 करोड़ एक बार राम नाम लिखने का लक्ष्य पूरा किया। इस आयोजन ने धार्मिक आस्था के साथ सामूहिक सहभागिता और आध्यात्मिक चेतना का भी संदेश दिया।

राम नाम लेखन के इस विशेष अभियान की उपलब्धि को इंडिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड और एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला। दोनों रिकॉर्ड संस्थाओं के प्रतिनिधि संजय भोला ने आयोजन के दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता ज्ञान प्रकाश सिंह को प्रमाण पत्र सौंपा। प्रमाण पत्र मिलने के अवसर पर कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित लोगों ने खड़े होकर तालियों की गड़गड़ाहट के बीच इस उपलब्धि का स्वागत किया और ज्ञान प्रकाश सिंह को बधाई दी।इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने राम नाम लेखन अभियान में शामिल सभी श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के प्रति लोगों की गहरी श्रद्धा, विश्वास और भक्ति के कारण यह अद्भुत रिकॉर्ड संभव हो सका है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय राम भक्तों की सहभागिता और समर्पण को दिया।ज्ञान प्रकाश सिंह ने इस उपलब्धि के लिए आचार्य शांतनु जी महाराज के प्रति विशेष आभार प्रकट करते हुए उनका अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि महाराज की प्रेरणा और मार्गदर्शन से श्रद्धालुओं को राम नाम लेखन जैसे आध्यात्मिक अभियान से जुड़ने का अवसर मिला। नौ दिवसीय श्रीराम कथा के दौरान धार्मिक वातावरण, राम भक्ति और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने आयोजन को विशेष बना दिया। इस उपलब्धि को जौनपुर और पूर्वांचल के लिए गौरवपूर्ण अवसर के रूप में देखा जा रहा है।

पाक्सो एक्ट मे दोषी को 20 वर्ष कठोर कारावास तथा 30 हजार रुपए अर्थदंड की सजा

जौनपुर। खुटहन थाना क्षेत्र से जुड़े पॉक्सो एक्ट के एक मामले में शुक्रवार को विशेष न्यायालय ने अभियुक्त अनमोल तिवारी को दोषी करार देते हुए 20 वर्ष के कठोर कारावास की सजा सुनाई। साथ ही उस पर 30 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया।विशेष न्यायाधीश (एएसजे–6पॉक्सो द्वितीय) सुरेंद्र प्रताप यादव की अदालत ने सत्र परीक्षण संख्या 195ध्2020, मु0अ0सं0 से संबंधित राज्य बनाम अनमोल तिवारी मामले में यह फैसला सुनाया। अभियुक्त को पॉक्सो एक्ट की धारा 4 के तहत 20 वर्ष के कठोर कारावास और 30 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया।मामला भारतीय दंड संहिता की धारा 376(3), पॉक्सो एक्ट की धारा 3ध्4 तथा एससी–एसटी एक्ट की धारा 3(2)(5) से संबंधित था। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक पॉक्सो एक्ट वेद प्रकाश तिवारी एवं रमेश चंद्र पाल ने प्रभावी पैरवी की।

विधान परिषद चुनाव ने दिया संदेश, 2027 में आएगी पीडीए सरकारः मोहम्मद अरशद खान



जौनपुर । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान ने विधान परिषद चुनाव के परिणामों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सफलता ने 2027 के विधानसभा चुनाव की राजनीतिक दिशा का स्पष्ट संकेत दे दिया है। प्रदेश की 11 सीटों में से 5 सीटों पर समाजवादी पार्टी की जीत इस बात का प्रमाण है कि पीडीए की विचारधारा और सामाजिक न्याय की राजनीति को जनता का समर्थन मिल रहा है। खान ने कहा कि भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकारों की नीतियों से किसान, नौजवान, बेरोजगार, व्यापारी, बुनकर, पिछड़े दलित और अल्पसंख्यक वर्ग परेशान है। महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं और सामाजिक असमानता ने आम जनता की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। जनता अब बदलाव चाहती है और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के नेतृत्व में उम्मीद देख रही है।

उन्होंने कहा कि पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक समाज की एकजुटता उत्तर प्रदेश की राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाएगी। समाजवादी पार्टी सभी वर्गों को सम्मान, भागीदारी, सामाजिक न्याय और समान अवसर दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीडीए की एकजुटता लोकतंत्र, संविधान और आरक्षण की रक्षा की लड़ाई को और मजबूत करेगी।मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि विधान परिषद चुनाव के परिणामों को भाजपा के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाना चाहिए। जनता के सवालों का जवाब केवल नारों से नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की खुशहाली और व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करके देना होगा। जनता अब अपने भविष्य को लेकर जागरूक है और 2027 में अपने मताधिकार के माध्यम से निर्णायक फैसला

जनपद की सभी तहसीलों में तहसील स्तरीय विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन



जौनपुर । सिविल जज सी0डि0ध्सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली व उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जौनपुर श्री सुशील कुमार शशि के निर्देशन में दिनांक 30 अक्टूबर 2026 को समी तहसीलों में तहसील स्तरीय मेगाध्बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। जनपद जौनपुर की समस्त तहसीलों में ग्राम न्यायालय के न्यायाधिकरण, उपजिलाधिकारीगण, तहसीलदारगण एवं पी0एल0वी0गण के माध्यम से तहसीलों पर मेगाध्बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन कर 01 नवम्बर 2026 को दीवानी न्यायालय में आयोजित होने वाली मेगाध्बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर के बारे में बताया कि उक्त शिविर में विभिन्न विभागों जिनके अन्तर्गत निर्बल वर्ग, दिव्यांगों बच्चों स्त्रियों निर्धन वर्ग आदि हेतु जन कल्याणकारी योजना प्रचलित है, लाभार्थियों को चिन्हित कर उन्हें उक्त मेगा शिविर के माध्यम से लाभ प्रदान किया जायेगा। साथ ही आज तहसीलों पर आयोजित किये गये विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में चिन्हित लाभार्थियों को लाभ वितरण किया गया। इस अवसर पर समी तहसीलों में चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। श्रम विभाग के द्वारा समी तहसीलों में आज उक्त शिविर के माध्यम से श्रमिकों का पंजीकरण किया गया।

जनपद स्तर पर 01 नवम्बर 2026 को प्रातः 10:00 बजे से मेगाध्बृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी का लोकपाल पद पर कार्यकाल विस्तारित



जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर में प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी का लोकपाल पद पर कार्यकाल तीन वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु पूर्ण होने तक विस्तारित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह के आदेश के अनुपालन में 27 अक्टूबर 2026 को इस संबंध में कार्यालय आदेश जारी किया गया।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (छात्रों की शिकायत का निवारण) विनियम, 2023 के प्रावधानों के अंतर्गत प्रो. रमेश मणि त्रिपाठी को 23 अगस्त 2023 को लोकपाल नियुक्त किया गया था। वह जौनपुर स्थित कुटीर पीजी कॉलेज, चक्के के पूर्व प्राचार्य एवं संकायाध्यक्ष रह चुके हैं।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार, उनका कार्यकाल तीन वर्ष अथवा 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, विस्तारित किया गया है।

फार्मास्यूटिकल उद्योग में नौकरी के लिए कौशल जरूरीः अजय मौर्य



जौनपुर । फार्मास्यूटिकल उद्योग में रोजगार प्राप्त करने के लिए केवल शैक्षणिक डिग्री पर्याप्त नहीं है, बल्कि तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक ज्ञान, संचार कौशल और कार्य के प्रति जिम्मेदारी भी अत्यंत आवश्यक है। विद्यार्थियों को उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल का विकास करना चाहिए। यह विचार इंटास फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड के क्वालिटी कंट्रोल हेड अजय मौर्य ने विज्ञान संकाय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में व्यक्त किए।कार्यक्रम में विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. प्रदीप कुमार ने मुख्य वक्ता श्री अजय मौर्य का परिचय प्रस्तुत किया। उन्होंने विद्यार्थियों को उद्योग जगत के अनुभवी विशेषज्ञों से संवाद स्थापित करने तथा उनके अनुभवों से सीखकर अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया।

व्याख्यान में श्री अजय मौर्य ने फार्मास्यूटिकल उद्योग में रोजगार की संभावनाओं तथा आवश्यक व्यावसायिक कौशलों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि औषधि निर्माण के क्षेत्र में गुणवत्ता नियंत्रण की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। दवाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा और निर्धारित मानकों के अनुरूप परीक्षण सुनिश्चित करने के लिए विषयगत ज्ञान के साथ प्रयोगशाला में कार्य करने की दक्षता, विश्लेषणात्मक क्षमता, सूक्ष्म निरीक्षण तथा मानक संचालन प्रक्रियाओं का पालन करना आवश्यक है।उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे अपनी पढ़ाई के दौरान प्रयोगात्मक कार्यों पर विशेष ध्यान दें, प्रयोगशाला उपकरणों के संचालन का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करें तथा फार्मास्यूटिकल उद्योग में उपयोग होने वाली नवीन तकनीकों और प्रक्रियाओं से परिचित रहें। उन्होंने कहा कि टीमवर्क, समय प्रबंधन, अनुशासन, समस्या समाधान की क्षमता और प्रभावी संचार जैसे कौशल भी रोजगार प्राप्त करने तथा कार्यक्षेत्र में सफलता हासिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के अंत में डॉ. संजीव कुमार मौर्य ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

टोलफ्री नम्बर 14447 पर दे फसल नुकसान की जानकारी

जौनपुर । उप परियोजना निदेशक (आत्मा) कृषि प्रसार सुधार डा. रमेश चन्द्र यादव ने अवगत कराया है कि बेमौसम भारी बरसात एवं अर्नब चक्रवात से किसानों की फसलों में हुए नुकसान पर प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना एवं पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के अंतर्गत फसल क्षति की सूचना देने तथा योजनाओं के विषय में विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए किसानों को विभिन्न डिजिटल माध्यम उपलब्ध कराए गए है। अब बीमित किसान फसल नुकसान की तत्काल 72 घण्टे के अंदर सूचना देने या जानकारी प्राप्त करने के लिए टोल फ्री नंबर 14447 का प्रयोग कर सकते है, इसके अतिरिक्त क्रॉप इंश्योरेंस एप और व्हाट्सएप नंबर 7065514447 के माध्यम से भी सूचना साझा की जा सकती है। कृषक योजनाओं से संबंधित आधिकारिक जानकारी के लिए फसल बीमा पोर्टल चउइल.हवअ.पद पर भी लॉगिन कर सकते हैं। इन सभी डिजिटल माध्यमों के अतिरिक्त यदि किसानों को फसल बीमा से संबंधित किसी भी समस्या का सामना करना पड़ता है तो वे उसके त्वरित समाधान के लिए अपने जनपद के उप कृषि निदेशक कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं साथ ही जनपद में कार्यरत एसबीआई जनरल इंश्योरेंस कंपनी के प्रतिनिधि से भी सीधे संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सकती है। सरकार का उद्देश्य इन माध्यमों के जरिए किसानों को आपदा की स्थिति में समय बद्ध तरीके से राहत पहुंचाना और बीमा प्रक्रियाओं को अधिक सुलभ बनाना है।

भ्रष्टाचार व राष्ट्रीय राजमार्ग घोटाले के विरुद्ध 1908वें दिन भी जारी रहा सत्याग्रह

घ्जौनपुर । कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय राजमार्ग निर्माण घोटाले, भ्रष्टाचार और पत्रकार उत्पीड़न के खिलाफ यशवन्त कुमार गुप्त के नेतृत्व में चल रहा सत्याग्रह आन्दोलन 1908वें दिन भी अनवरत जारी रहा। 9 अगस्त 2021 से चल रहे इस धरने के माध्यम से भूमि अधिग्रहण की अनियमितताओं और जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायतों के फर्जी निस्तारण का मुद्दा उठाया जा रहा है। इस दौरान सिरकोनी बाजार (इजरी) में हुई डकैती के अभियुक्तों पर कड़ी कार्रवाई की भी मांग की गई।

इस अवसर पर बसन्त लाल मौर्य, विमल कुमार निषाद, विजय प्रताप सिंह, रामनगीना यादव, सजन यादव, अमित निषाद, उदय प्रताप सिंह, डा.ज्ञान प्रकाश सिंह, विजय प्रकाश मिश्र, नरेन्द्र गिरी, पवन निषाद सहित दर्जनों समर्थकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर समर्थन दिया।

सम्मन

2.सम्मन

सम्मन वास्ते करारदाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय सिविल जज जू0डि0 शाहगंज जौनपुर।

वाद सं0–960 / 2025

मोतीलाल–बनाम–अरुण कुमार

1.अरुण कुमार पुत्र रामहरख सा0मौ0 बंशीपुर पर0 अंगुली तह0 शाहगंज जिला जौनपुर।

ता0पेशी–03.12.2026 जवाबदेही व तनकीह

हरगाह ने आपके नाम एक नालिश बावतके दायरकी है लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप ब बतारीख 03.12.2026 जवाबदेही व तनकीह बक्त बजे अदालत या मारफत अपने वकील के जो मुकदमा के हालात से करार वाकई वाकिब हो और कुल उमूरात अहम मुतलिका मुकदमा का जवाब दे सके या जिसके साथ कोई शक्स जवाब ऐसे सवालात का देने को हाजिर हो और जवाबदेही दावा को करे और दरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिए मुकर्रर है के बावत इनफिसाल कतई मुकदमा तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि आप उसी रोज जुमला दस्तावेज की जिनकी आप अपनी जवाबदेही के साथ इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मुकर्रर आप और हाजिरी आपके मजयून और फैसला,बक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज दिनांक माह सन 2026ई0 को जारी किया गया।

आज्ञा से
सिविल जज जू0डि0
शाहगंज जौनपुर।

नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)

न्यायालय सिविल जज जू0डि0 शाहगंज जौनपुर।

वाद सं0–960 / 2025

मोतीलाल–बनाम–अरुण कुमार

1.अरुण कुमार पुत्र रामहरख सा0मौ0 बंशीपुर पर0 अंगुली तह0 शाहगंज जिला जौनपुर।

ता0पेशी–03.12.2026 आपत्ति व निस्तारण

चूंकि उपर नामांकित ने इस न्यायालय मे आवेदन किया है अतएव आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ आपत्ति करने के लिये दिनांक 03.12.2026 आपत्ति व निस्तारण दिवस का अपरान्ह स्वयं या सम्पर्क रूपेण अपने अधिवक्ता व्दारा हाजिर हो। ऐसा करने मे असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय सुना और अवधारित किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित दिवस 2026ई0 को निकाली गयी।

आज्ञा से
सिविल जज जू0डि0
शाहगंज जौनपुर।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक में जिलाधिकारी ने दिए रैंकिंग में सुधार के निर्देश

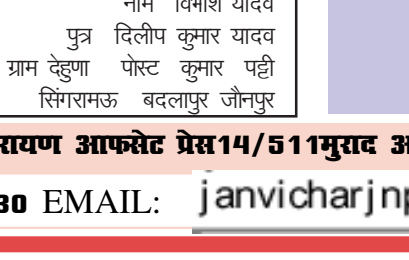

जौनपुर । जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की प्रगति एवं रैंकिंग की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिया कि योजनाओं की प्रतिदिन मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए तथा कार्यों में तेजी लाते हुए रैंकिंग में सुधार लाया जाए। जिन योजनाओं में भूमि उपलब्ध नहीं हो पाई है अथवा जहां खारे पानी की शिकायत प्राप्त हुई है, उनकी तहसीलवार रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि समस्याओं का प्रभावी निराकरण कराया जा सके।फैमिली आईडी योजना में खराब प्रगति पाए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए जिला विकास अधिकारी को प्रतिदिन मॉनिटरिंग करने तथा निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित कर रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए गए।इसके साथ ही जिलाधिकारी द्वारा पीएम सूर्य घर योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, शादी अनुदान योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए समीक्षा की गई। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं के पात्र लाभार्थियों को समय से लाभान्वित किया जाए तथा लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।विद्युत विभाग की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि खराब ट्रांसफार्मरों को निर्धारित समयसीमा में बदलना सुनिश्चित किया जाए तथा दैनिक विद्युत आपूर्ति सुचारु बनाए रखी जाए। विद्युत तारों एवं अन्य विद्युत उपकरणों की जांच कर आवश्यक मरम्मत एवं सुरक्षा संबंधी कार्य समय से पूर्ण कराए जाएं जिससे किसी प्रकार की जनहानि अथवा पशुहानि की घटना न होने पाए। इसके साथ ही विद्युत बिलों में होने वाली त्रुटियों का समयबद्ध निस्तारण करते हुए बिलों में सुधार सुनिश्चित किया जाए।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जिन विभागों की रैंकिंग खराब है ।

जय मां शारदा।

शुक्ला मैरिज हाल

मिर्जापुर रोड मरियाहू रोड जौनपुर

वृंदावन पैलेस एवं मैरिज हाल शादी विवाह इंगेजमेंट बर्थडि पार्टी मीटिंग एवं अन्य शुभ अवसरों के लिए संपर्क करें एक बार सेवा का अवसर दीजिए

जयेंद्र कुमार शुक्ला मुन्ना शुक्ला

(प्रोपराइटर)

मो.न. 9838998491,

2 नवंबर को बीआरपी कालेज में वृहद रोजगार मेला



जौनपुर। उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए जौनपुर विधानसभा क्षेत्र में 2 नवंबर को वृहद रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। जिला सेवायोजन कार्यालय की ओर से सुबह 10 बजे से बीआरपी कॉलेज परिसर में लगने वाले इस मेले में 50 से अधिक प्रतिष्ठित कंपनियों के प्रतिभाग करने की संभावना है। जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान ने बताया कि युवाओं को उनकी शैक्षिक योग्यता, तकनीकी दक्षता, कौशल और अभिरुचि के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिले के सभी नौ विधानसभा क्षेत्रों में वृहद रोजगार मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत जनपद मुख्यालय पर आयोजित होने वाले मेले में बेरोजगार युवाओं को प्रतिष्ठित कंपनियों में नौकरी पाने का अवसर मिलेगा। मेले के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन. ने बीआरपी इंटर कॉलेज परिसर से प्रचार वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे अधिकाधिक संख्या में रोजगार मेले में पहुंचकर इस अवसर का लाभ उठाएं।

इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ठ, नगर मजिस्ट्रेट महिपाल सिंह, उप जिलाधिकारी सदर योगिता सिंह, जिला सेवायोजन अधिकारी जय प्रकाश पासवान सहित अन्य अधिकारी एवं आमजन उपस्थित रहे।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा इंटरमीडिएट वर्ष 2020 व्यक्तिगत जिसका अनुक्रमांक 4081643 है जिसका मूल प्रमाण पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है ।

नाम विभाशं यादव
पुत्र दिलीप कुमार यादव
ग्राम देहुणा पोस्ट कुमार पट्टी
सिंगरामऊ बदलापुर जौनपुर

स्वामी मुद्रक ,संपादक विजय प्रकाश मिश्र,प्रकाशक कुसुम देवी द्वारा नारायण आफसेट प्रेस14/511मुराद अली लेन नई बस्ती हुसेनगंज लखनऊ उ0प्र0 से छपवाकर राजा सिंगरामऊ कोठी ओलन्दगंज

जौनपुर, उ0प्र0 से प्रकाशित । मो 7376885230 EMAIL: janvicharjnp@gmail.com RNI No. UPHIN/2009/27689